Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 192 | मंगलवार, 21 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

सड़कों पर प्रदर्शनकारी, संसद में बैठकों का दौर

मॉनसून सत्र के पहले दिन दिल्ली में दिखा हाई-वोल्टेज ड्रामा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के मॉनसून सत्र के पहले दिन सोमवार को सेंट्रल दिल्ली में तनावपूर्ण हालात देखने को मिले। संसद भवन के ऊपर आंसू गैस के धुएं के बादल, पुलिस की लाठियों का सामना करते युवा प्रदर्शनकारी और दिन के अंत तक जंतर-मंतर को खाली कराना, इन सबके बीच सरकार और कॉकरोच जनता पार्टी के बीच बातचीत की भी कोशिश हुई। दिल्ली में देर शाम तक जनजीवन प्रभावित रहा। सेंट्रल दिल्ली के बड़े हिस्से में जाम की स्थिति बनी रही और सुरक्षा बलों की भारी तैनाती के कारण कई मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश द्वार एहतियातन बंद कर दिए गए, जिससे बड़ी संख्या में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हजारों युवा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर संसद की ओर बढ़े, लेकिन संसद मार्ग के पास दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों ने उन्हें आंसू गैस के गोले दागकर और हल्का बल प्रयोग करके तितर-बितर कर दिया। 'चलो संसद' के नारे के साथ निकले प्रदर्शनकारियों ने सेंट्रल दिल्ली की हाई-सिक्योरिटी सड़कों को विरोध प्रदर्शन का केंद्र बना दिया। तिरंगा और तख्तियां लिए प्रदर्शनकारी 'भारत माता की जय', 'जय भीम', 'वंदे मातरम' और 'धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो' जैसे नारे लगाते रहे। जहां-जहां उन्हें रोका गया, वहीं वे धरने पर बैठ गए और शहर के कई हिस्सों में प्रदर्शन फैल गया। प्रदर्शन में स्कूली छात्र, कॉलेज छात्र, अभिभावक और बुजुर्ग भी शामिल थे। कुछ छात्र स्कूल यूनिफॉर्म में पहुंचे थे, जबकि कुछ ने कॉकरोच की वेशभूषा पहन रखी थी। वहीं, दिल्ली पुलिस का दावा है कि प्रदर्शनकारियों के साथ झड़प में उसके और केंद्रीय बलों के 50 से अधिक जवान घायल हुए। इनमें 5 व्क्ष्दर अधिकारी भी शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि करीब 100 लोगों को हिरासत में लिया गया है और राम मनोहर लोहिया अस्पताल में 65 मेडिको-लीगल केस दर्ज किए गए हैं। पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में अनियमितताओं के खिलाफ शुरू हुआ कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन 20 जून से जंतर-मंतर पर चल रहा है। इस आंदोलन को सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन से जुड़े कुछ छात्रों के आमरण अनशन के बाद व्यापक समर्थन मिला। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों में से बहुत सारे छात्र नहीं हैं। कई संदिग्ध सोशल मीडिया हैंडल्स से भ्रामक जानकारियां भी फैलाई जा रही थीं। पाकिस्तान से संचालित कई सोशल मीडिया हैंडल्स खासकर '' पर भ्रामक और झूठे दावों के साथ पोस्ट किए जा रहे थे और प्रदर्शन को लेकर लगातार अफवाहें फैलाई जा रही थीं। दिल्ली पुलिस ने बताया कि पाकिस्तानी हैंडल से किए गए एक पोस्ट में कहा गया कि हिंसा में 7 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई है, 391 घायल हुए हैं और 250 लोग गिरफ्तार हुए हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक हिंसा भड़काने के मामले में अगर किसी राजनीतिक पार्टी की भूमिका सामने आएगी तो उसके खिलाफ भी करवाई होगी। सीसीटीवी फुटेज से हिंसा करने वालों की पहचान करके उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कॉकरोच जनता पार्टी ने प्रदर्शन को शांतिपूर्ण बताया, लेकिन दिल्ली पुलिस का दावा इसके उलट रहा। दिल्ली पुलिस ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उसकी एक गाड़ी को शाम 6 बजे के आस-पास शांगरी-ला होटल के पास उग्र भीड़ ने निशाना बनाया। वीडियो में कुछ प्रदर्शनकारी पुलिस की गाड़ी पर पथराव करते हुए भी दिखाई दिए। उनके हाथों में लाठी-डंडे दिखाई दे रहे थे। एक प्रदर्शनकारी डंडे से पुलिस की गाड़ी को तोड़ता दिखाई दिया। इस घटना में एक महिला हेड कांस्टेबल के सिर पर गंभीर चोट भी लगी। दिल्ली सेंट्रल रेंज के जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस मधुर वर्मा ने कहा, 'वहां एक गैर-कानूनी भीड़ जमा हुई थी जिससे निपटना जरूरी था। पत्थरबाजी की कुछ घटनाएं हुईं और दिल्ली पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। उचित कार्रवाई की जा रही है।' आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भी प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार को युवाओं की बात सुननी चाहिए, न कि उन पर लाठीचार्ज कराना चाहिए। आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और आतिशी, सीपीआईएम के एम ए। बेबी, वृंदा करात और समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव भी संसद मार्ग पर प्रदर्शन में शामिल हुए। सीजेपी के प्रदर्शन में शामिल अभिनेत्री शबाना आजमी ने कहा, 'हम यहां शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने आए हैं। यह हमारा संवैधानिक अधिकार है। महात्मा गांधी ने हमें अहिंसा का रास्ता दिखाया है। हमारा हिंसा का कोई इरादा नहीं है।'

अभिजीत दिपके ने खत्म किया अनशन

जंतर–मंतर पर आमरण अनशन पर बैठे कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दिपके और आइसा के तीन युवा कार्यकर्ताओं ने अपना अनशन सोमवार को समाप्त कर दिया, लेकिन सैकड़ों प्रदर्शनकारी वहीं डटे रहे। बारिश के बावजूद प्रदर्शनकारी जंतर–मंतर की गलियों, कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क और मेट्रो स्टेशनों के बाहर जमा रहे। इस दौरान तोड़फोड़ की भी खबरें सामने आईं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में कनॉट प्लेस की सड़कों पर पत्थर पड़े दिखाई दिए और कुछ जगहों पर भीड़ ने खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ की। दिल्ली पुलिस ने भी सेंट्रल दिल्ली में पथराव और तोड़फोड़ की पुष्टि की है। हालांकि, कॉकरोच जनता पार्टी ने बयान जारी कर कहा कि आगे भी प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहेगा।

जेपी नड्डा से मिला CJP का डेलिगेशन

इसी बीच कॉकरोच जनता पार्टी के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात कर अपनी मांगों का ज्ञापन उन्हें सौंपा। सीजेपी के प्रतिनिधिमंडल में सौरव दास और आशुतोष रांका शामिल थे। सीजेपी ने बताया कि जेपी नड्डा ने उसकी मांगों पर सरकार के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा का आश्वासन दिया और समय मांगा। कॉकरोच जनता पार्टी की प्रमुख मांगों में सोनम वांगचुक की तत्काल रिहाई, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा और नीट पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के परिवारों को 1–1 करोड़ रुपये का मुआवजा शामिल है। जेपी नड्डा ने '' पर लिखा, 'आज सुबह पहली बार प्रदर्शनकारियों की ओर से सरकार के साथ बातचीत करने का प्रस्ताव आया और सुबह 11:50 से ही हमारी बातचीत जारी रही। सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुलाकात हुई। उनके डेलीगेशन के साथ विस्तार से पहले मौखिक चर्चा हुई और उनके द्वारा लगभग 4 बजे मुझे लिखित याचिका दी गई। मैंने सभी प्रदर्शनकारियों से अनुरोध किया कि वे अपने धरने को समाप्त करें और सामान्य स्थिति बहाल करने में प्रशासन की मदद करें।'

संसद भवन में जारी रहा बैठकों का दौर

दिल्ली की सड़कों पर एक ओर प्रदर्शन हो रहे थे, दूसरी ओर संसद भवन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लगातार बैठकें कर रहे थे। सबसे पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान दोपहर करीब 1:08 बजे अमित शाह से मिलने पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच करीब 45 से 50 मिनट तक चर्चा चली थी, इसी दौरान केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भी बैठक में शामिल होने पहुंच गए। इसके बाद करीब 2:12 बजे केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल भी बैठक में शामिल हुए।

सोनम वांगचुक का अब भी अनशन जारी

उधर, सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक ने कहा कि जब तक युवा प्रतिनिधियों को संसद में सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं मिलती या सांसद उनसे अस्पताल में मिलने नहीं आते, तब तक वह अपना अनशन जारी रखेंगे। इस मुद्दे की गूंज संसद में भी सुनाई दी। मॉनसून सत्र के पहले दिन दोनों सदनों की कार्यवाही विपक्ष के हंगामे के कारण कई बार स्थगित करनी पड़ी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'देश के इतिहास का सबसे युवा विरोधी प्रधानमंत्री' बताते हुए आरोप लगाया कि सरकार युवाओं की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन पर कार्रवाई कर रही है।

राहुल गांधी ने की सरकार की आलोचना

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म '' पर लिखा, 'प्रधानमंत्री मोदी भारत के इतिहास के सबसे युवा–विरोधी प्रधानमंत्री हैं– इतने युवा विरोधी कि एक नाकाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी नहीं ले सकते। 152 पेपर लीक, 7 l5 करोड़ छात्र पीड़ित। और सजा एक दोषी को भी नहीं। सजा किसे मिली? मेहनती युवाओं को। और जब इन बच्चों ने शिक्षा के जायज सवाल उठाए– तो जवाब में मिली लाठी और हिरासत। लीक करने वाले अपराधी आजाद और वाजिब मुद्दे उठाने वाले छात्र घसीटे जाते हैं, पीटे जाते हैं। यह सरकार सिर्फ युवाओं को नाकाम नहीं कर रही– उनपर टूट पड़ी है।'

राम मंदिर चंदा मामला: जांच में हो पारदर्शिता, सुप्रीम कोर्ट ने नई एसआईटी गठित करने का दिया निर्देश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुझाव दिया कि अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी की जांच के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) का फिर से गठन किया जाए। कोर्ट ने कहा कि वह चाहेगी कि जांच किसी ऐसे सीनियर इंडियन पुलिस सर्विस (IPS) अधिकारी से कराई जाए, जिन्हें ऐसे मामलों को संभालने का अनुभव हो। भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच ने कहा कि पहले बनाई गई SIT को शुरूआती रिपोर्ट सौंपने का काम सौंपा गया था। इसलिए, कोर्ट ने कहा कि पूरी जांच के लिए एक अलग SIT बनाई जानी चाहिए। कोर्ट की यह टिप्पणी तब आई जब उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को बताया कि SIT का गठन सच्चाई का पता लगाने के लिए किया गया था और उसे पता चला कि यह एक संज्ञेय अपराध है। इस पर, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लखनऊ के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (IGP) और दो सीनियर इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस (IAS) अधिकारी SIT का हिस्सा थे, और पूछा कि क्या वे निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मुख्य जांच कर सकते हैं।

इस बेंच में जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना भी शामिल थे। बेंच ने मामले का राजनीतिकरण न करने की चेतावनी देते हुए कहा कि यह अपराध का एक साधारण मामला है। CJI कांत ने कहा बस एक सलाह है। कृपया इस मुद्दे का राजनीतिकरण न करें। अदालतें राजनीति की जगह नहीं हैं हम (यहां) सिर्फ. यह सुनिश्चित करने के लिए हैं कि मामले की ठीक से जांच हो। अदालत ने इस मामले में अब तक कोई अंतिम आदेश या निर्देश जारी नहीं किया है और अब इस मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई को होगी। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी SIT द्वारा बेंच को सीलबंद लिफाफे में स्टेटस रिपोर्ट सौंपने के एक दिन बाद आई है। अदालत ने SIT से 13 जुलाई को हुई सुनवाई के दौरान अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा था। उस समय, अदालत ने मामले की गहन जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस भी जारी किया था।

अदालत ने तब कहा था चूंकि कुछ रिट याचिकाओं में यह कहा गया है कि कुछ FIR पहले ही दर्ज की जा चुकी हैं और मामले की जांच के लिए एक SIT बनाई गई है, इसलिए हम उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई SIT को निर्देश देते हैं कि वह इस कोर्ट के सामने स्टेटस रिपोर्ट पेश करे।

एनईईटी और राम मंदिर विवाद: हंगामे की भेंट चढ़ा मानसून सत्र का पहला दिन, आगे भी होगी सियासी जंग

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के सदस्यों के विरोध के कारण लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों की कार्यवाही में बाधा आने के बाद, 20 जुलाई को संसद का मॉनसून सत्र स्थगित कर दिया गया। विपक्ष ने NEET-UG 2026 पेपर लीक और अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में डोनेशन के गबन के आरोपों पर चर्चा की मांग की। राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई और यह 21 जुलाई को सुबह 11:00 बजे फिर से शुरू होगी। लोकसभा की कार्यवाही भी अगले दिन सुबह 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। यह सत्र 13 अगस्त तक चलेगा और उम्मीद है कि इसमें राजनीतिक रूप से गरमा-गरम बहसें होंगी, खासकर आने वाले राज्य चुनावों के मद्देनजर। समाचारपत्र लोकसभा की कार्यवाही के दौरान, विपक्ष के नारों के बीच केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026' पेश किया। इस विधेयक का मकसद 'सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956' में और संशोधन करना है। इसके तहत सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या को 33 से बढ़ाकर 37 करने का प्रस्ताव है, जो पहले जारी किए गए एक अध्यादेश की जगह लेगा। लोकसभा में सोमवार को विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं चल सके। राज्यसभा में सरकार 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश करने की योजना बना रही है, जिसका उद्देश्य 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971' में संशोधन करना है। प्रस्तावित संशोधन के तहत राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' में

एनईईटी विवाद के बीच अमित शाह और धर्मेंद्र प्रधान की 4 घंटे लंबी मैराथन बैठक

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। NEET परीक्षा का पेपर लीक होने के आरोपों को लेकर 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के विरोध-प्रदर्शन के बीच, सोमवार को राजधानी दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बीच लगभग चार घंटे तक बैठक हुई। इस बीच, CJP के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की और सरकार के सामने पार्टी की मांगें रखते हुए धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। समाचारपत्र पर एक पोस्ट में CJP नेता सौरव दास ने लिखा कि आशुतोष रांका और मैं दोपहर 12 बजे से जेपी नड्डा के आवास पर हैं। हमने अपनी मांगें बता दी हैं, जिनमें धर्मेंद्र प्रधान का तुरंत इस्तीफा या उन्हें पद से हटाना शामिल है। पोस्ट में आगे कहा गया कि मंत्री ने हमें भरोसा दिलाया कि वह इस मामले पर सही स्तर पर चर्चा करेंगे। हालांकि, अभी तक कोई पक्का वादा नहीं किया गया है। जब तक मांग पूरी नहीं हो जाती, तब तक शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी चैन से नहीं बैठेंगे! बाद में, जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार ने प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की है, जिन्होंने एक लिखित ज्ञापन सौंपा था, और उनसे अपना धरना खत्म करने की अपील की। नड्डा ने '' पर एक पोस्ट में कहा कि आज सुबह पहली बार प्रदर्शनकारियों की ओर से सरकार के साथ बातचीत का प्रस्ताव आया और हमारी बातचीत सुबह 11:50 बजे से चल रही है। बैठक अच्छे माहौल में हुई। पोस्ट में कहा गया कि उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ शुरूआती बातचीत विस्तार से हुई और उन्होंने शाम करीब 4 बजे मुझे एक लिखित ज्ञापन सौंपा।

त्रिपुरा के शीर्ष पुलिस अधिकारी की रहस्यमयी मौत

पीएचक्यू में फंदे से लटके मिले डीजीपी अनुराग धनखड़, आत्महत्या का शक

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। त्रिपुरा के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस अनुराग धनखड़ सोमवार को अगरतला में पुलिस हेडक्वार्टर स्थित अपने ऑफि स में मृत पाए गए। रिपोर्ट के अनुसार, यह सीनियर IPS ऑफि सर अपने ऑफि स के कमरे में फंदे से लटके हुए मिले। इसे आत्महत्या का संदिग्ध मामला माना जा रहा है, हालांकि मौत की असल वजह की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। उन्हें तुरंत गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल ले जाया गया, जहाँ आगे की मेडिकल-लीगल प्रक्रियाएँ चल रही हैं। पुलिस ने इस घटना पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, अगरतला में पुलिस हेडक्वार्टर में धनकर अपने ऑफिस के कमरे में लटके हुए पाए गए। इसके बाद उन्हें तुरंत GBP अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, उनकी मौत के हालात अभी साफ नहीं हैं और अधिकारी मौत की सही वजह जानने के लिए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही सीनियर पुलिस अधिकारी पुलिस हेडक्वार्टर पहुँचे और उस इलाके को सुरक्षित कर लिया। धनकर की मौत से जुड़ी घटनाओं का क्रम पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि अधिकारी मामले के सभी जरूरी पहलुओं की जांच कर रहे हैं, और जांच में फोरेंसिक और मेडिको-लीगल प्रक्रियाएँ अहम भूमिका निभाएँगी। पुलिस ने अभी तक मौत की संभावित वजह पर कोई टिप्पणी नहीं की है और कहा है कि जांच आगे बढ़ने पर और जानकारी सामने आएगी। अधिकारियों ने कहा है कि मौत की सही वजह पोस्टमॉर्टम के बाद ही पता चलेगी। उम्मीद है कि शुरूआती जानकारी मिलने और जांच के अगले चरण में पहुँचने के बाद पुलिस एक आधिकारिक बयान जारी करेगी। यहाँ यह ध्यान देने वाली बात है कि अनुराग धनखड़ त्रिपुरा कैडर के 1994 बैच के IPS अधिकारी थे।

संपादक की कलम से

राजनीति से आगे: भारत की शिक्षा व्यवस्था का पुनर्निर्माण

भारत एक जीवंत लोकतंत्र है, जहाँ चुनाव, सरकारों का गठन, मंत्रिमंडल में फेरबदल और राजनीतिक बहसें अक्सर राष्ट्रीय चर्चा का केंद्र बनी रहती हैं। लोकतंत्र में इन घटनाओं का अपना महत्व है, लेकिन इन सबसे भी अधिक महत्वपूर्ण एक ऐसा विषय है जिस पर निरंतर और गंभीर ध्यान देने की आवश्यकता है–भारत की शिक्षा व्यवस्था का पुनर्निर्माण। किसी भी राष्ट्र का भविष्य केवल इस बात से तय नहीं होता कि उस पर कौन शासन करता है, बल्कि इस बात से तय होता है कि उसके बच्चों को कैसी शिक्षा मिलती है। शिक्षा किसी भी विकसित और समृद्ध राष्ट्र की आधारशिला होती है। यह केवल पढ़ना–लिखना नहीं सिखाती, बल्कि सोचने, समझने, निर्णय लेने, नवाचार करने और जिम्मेदार नागरिक बनने की क्षमता भी विकसित करती है। जिन देशों ने शिक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाया, वे आज विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास के क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व कर रहे हैं। भारत के पास विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी है, इसलिए शिक्षा हमारे लिए केवल एक क्षेत्र नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सबसे शक्तिशाली माध्यम है। पिछले वर्षों में भारत ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन अनेक चुनौतियाँ आज भी मौजूद हैं। अनेक सरकारी विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का अभाव, योग्य शिक्षकों की कमी, पुरानी शिक्षण पद्धतियाँ, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच शैक्षिक असमानता तथा डिजिटल संसाधनों की कमी जैसी समस्याएँ अभी भी शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रही हैं। कोविड–19 महामारी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि डिजिटल शिक्षा तक सभी की समान पहुँच नहीं है। आज की शिक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि उसका केंद्र सीखना नहीं, बल्कि परीक्षा और अंक बन गए हैं। विद्यार्थी ज्ञान अर्जित करने के बजाय अधिक अंक प्राप्त करने की दौड़ में शामिल हो गए हैं। रटकर पढ़ने की प्रवृत्ति ने जिज्ञासा, रचनात्मकता और आलोचनात्मक चिंतन जैसी क्षमताओं को पीछे छोड़ दिया है। जबकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता , स्वचालन और नई तकनीकों के इस युग में सफलता उन्हीं को मिलेगी जो समस्याओं का समाधान खोज सकें, नए विचार प्रस्तुत कर सकें और बदलती परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल सकें। इसलिए शिक्षा सुधारों का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम बदलना नहीं, बल्कि सीखने की पूरी संस्कृति को बदलना होना चाहिए। विद्यालयों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक सोच, रचनात्मकता, संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता और जीवन कौशल को समान महत्व दिया जाना चाहिए। पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ, खेल, संगीत, कला, योग, पर्यावरण शिक्षा तथा व्यावसायिक शिक्षा को भी मुख्यधारा में लाना होगा। शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की आत्मा होते हैं। यदि शिक्षक प्रेरित, प्रशिक्षित और सम्मानित होंगे, तभी शिक्षा में वास्तविक परिवर्तन संभव होगा। शिक्षकों को आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण, निरंतर व्यावसायिक विकास के अवसर, बेहतर कार्य वातावरण तथा समाज में उचित सम्मान मिलना चाहिए। शिक्षा सुधार की कोई भी योजना शिक्षकों को केंद्र में रखे बिना सफल नहीं हो सकती। उच्च शिक्षा को भी नई दिशा देने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालयों को केवल डिग्री प्रदान करने वाले संस्थान नहीं, बल्कि अनुसंधान, नवाचार, स्टार्टअप, उद्यमिता और ज्ञान निर्माण के केंद्र बनना होगा। उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच मजबूत सहयोग स्थापित किया जाना चाहिए, ताकि विद्यार्थी केवल रोजगार खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाले भी बन सकें। प्रौद्योगिकी शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है।

ललित शर्मा
संपादक

किसी का बुरा करके अपनी जीत मत समझना

किशन भावनानीं

कविता

किसी का बुरा करके अपनी जीत मत समझना,
किसी का भला करके अपना एहसान मत जताना।
जो बोओगे वही एक दिन जीवन में लौटकर आएगा,
हर कदम पर मानवता का दीप जलाना।

कर्म का हिसाब समय स्वयं देता है,
हर अच्छे–बुरे कर्म का फल निश्चित रहता है।
क्षणिक लाभ के पीछे अपना चरित्र मत गँवाना,
सत्य का पथ कठिन सही, पर अंत में वही जीतता है।

झूठ की दीवारें एक दिन ढह ही जाती हैं,
सत्य की किरणें हर अँधेरा मिटाती हैं।
जो धैर्य और विश्वास का दीप जलाता है,
वही जीवन में सच्ची मंज़िल पाता है।

दूसरों के आँसू कभी कारण मत बनना,
हर पीड़ा में सहारा बनकर साथ चलना।
दुआओं का धन सबसे अनमोल खजाना है,
यही इंसानियत का सबसे सच्चा तराना है।

अहंकार का मुकुट पलभर में टूट जाता है,
विनम्रता का फूल सदा महकता जाता है।
जो सिर झुकाकर रिश्तों का मान निभाता है,
वही हर दिल में अपना घर बनाता है।

किशन,ठोकरें भी जीवन का संदेश सुनाती हैं,
गिरकर उठने की नई राह दिखाती हैं।
मुश्किल घड़ी में जो हिम्मत नहीं गंवाता है,
वही इतिहास में अपना नाम लिखाता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

भू-माफिया और प्रशासन का गठजोड़: नागरिकों की जमीन पर सत्ता-संरक्षित डकैती

एन0के0शर्मा
लेखक

किसी लोकतंत्र की इससे बड़ी विडंबना और क्या हो सकती है कि जिस नागरिक की जमीन पर अवैध कब्जा हो, वही न्याय के लिए दर-दर भटकता रहे; और जिस व्यक्ति ने कानून तोड़कर कब्जा किया हो, वह सत्ता, धन, दबंगई और प्रशासनिक संरक्षण के सहारे वर्षों तक उसी जमीन पर बैठा रहे। यह केवल भूमि विवाद नहीं है। यह नागरिक के अधिकार, सम्मान, भविष्य और लोकतंत्र की आत्मा पर खुला हमला है। भू-माफिया कभी अकेला शक्तिशाली नहीं होता। उसके पीछे अक्सर धन, राजनीतिक संपर्क, दबंगई, फर्जी दस्तावेज, भ्रष्ट तंत्र और प्रशासनिक मौन का पूरा नेटवर्क खड़ा होता है। कोई व्यक्ति अकेले वर्षों तक किसी की जमीन पर कब्जा नहीं बनाए रख सकता, यदि प्रशासन सचमुच निष्पक्ष, सक्रिय और जवाबदेह हो। अवैध निर्माण रातोंरात खड़ा हो सकता है, लेकिन वर्षों तक कायम नहीं रह सकता-जब तक कहीं न कहीं व्यवस्था की आंखें बंद न हों।

सबसे बड़ा प्रश्न यही है-कब्जा हुआ कैसे? फर्जी दस्तावेज बने कैसे? अवैध निर्माण खड़ा कैसे हुआ? शिकायतों के बाद भी कार्रवाई क्यों नहीं हुई? फाइलें वर्षों तक क्यों घूमती रहीं? पीड़ित की शिकायतों पर औपचारिक रिपोर्टें लगती रहीं, लेकिन जमीन पर अवैध कब्जा क्यों बना रहा? इन प्रश्नों के उत्तर ही उस भयावह गठजोड़ की ओर संकेत करते हैं, जिसमें भू-माफिया अपराध करता है और व्यवस्था की निष्क्रियता उसे जीवित रखती है। भू-माफिया का सबसे बड़ा हथियार केवल बाहुबल नहीं, बल्कि समय है। वह जानता है कि वर्षों तक चलने वाली प्रशासनिक और कानूनी प्रक्रिया पीड़ित को आर्थिक, मानसिक और सामाजिक रूप से तोड़ सकती है। वह जानता है कि एक सामान्य नागरिक अपनी जीवनभर की बचत, समय और ऊर्जा न्याय की लड़ाई में झोंककर अंततः थक सकता है। वह यह भी जानता है कि प्रशासनिक फाइलों की धीमी गति कई बार अवैध कब्जे को वैधता का भ्रम दे देती है। यही इस व्यवस्था की सबसे बड़ी क्रूरता है-जिसने कानून तोड़ा, वह जमीन पर बैठा रहता है; जिसने कानून का पालन किया, वह कार्यालयों की सीढ़ियां चढ़ता रहता है। पीड़ित नागरिक से बार-बार पूछा जाता है-'आपके पास क्या प्रमाण है?' लेकिन कब्जाधारी से यह प्रश्न अक्सर नहीं पूछा जाता कि वह जमीन पर आया कैसे? वैध मालिक दस्तावेज लेकर भटकता है और अवैध कब्जाधारी प्रभाव लेकर बैठा रहता है। शिकायतकर्ता वर्षों तक आवेदन देता है और कब्जाधारी वर्षों तक कब्जा बनाए रखता है। फिर एक दिन प्रशासन कहता है-'मामला विवादित है।'

यह कैसी विडंबना है कि अपराध को 'विवाद' कहकर उसकी धार कुंद कर दी जाती है और पीड़ित तथा अपराधी को एक ही तराजू में तौल दिया जाता है? किसी अवैध कब्जे को केवल इसलिए 'यथास्थिति' नहीं कहा जा सकता क्योंकि वह लंबे समय से कायम है। समय बीतने से अवैधता वैध नहीं हो जाती। यदि किसी ने कानून तोड़कर स्थिति बनाई और प्रशासन ने उसी स्थिति को बनाए रखा, तो यह निष्पक्षता नहीं-अवैध स्थिति को अप्रत्यक्ष संरक्षण है। प्रशासनिक भाषा में छिपे कुछ शब्द कभी-कभी अन्याय के सबसे सुविधाजनक आवरण बन जाते हैं-'जांच जारी है', 'रिपोर्ट मांगी गई है', 'दोनों पक्षों को बुलाया गया है', 'मामला न्यायालय में विचाराधीन है', 'यथास्थिति बनी हुई है।' यदि इन शब्दों के पीछे वर्षों तक कोई वास्तविक कार्रवाई नहीं होती, तो यह प्रक्रिया नहीं, प्रक्रिया का दुरुपयोग है। निस्तारण और न्याय एक ही चीज नहीं हैं। फाइल बंद कर देना निस्तारण हो सकता है, लेकिन पीड़ित को उसका अधिकार दिलाना न्याय है। रिपोर्ट लगा देना प्रशासनिक कार्रवाई हो सकती है, लेकिन सत्य तक पहुंचना शासन का दायित्व है। ऑनलाइन शिकायत को 'निस्तारित' कर देना समाधान नहीं, यदि जमीन पर कब्जा जस का तस बना रहे।

भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने का नाम नहीं है। गलत रिपोर्ट देना भ्रष्टाचार है, लेकिन सही रिपोर्ट देने से जानबूझकर बचना भी भ्रष्टाचार है। अपराधी की मदद करना भ्रष्टाचार है, लेकिन अपराध देखकर चुप रहना भी प्रशासनिक नैतिकता की हत्या है। फाइल रोकना भ्रष्टाचार है, लेकिन उसे बिना जांचे बंद कर देना भी नागरिक अधिकारों के साथ छल है। भू-माफिया केवल जमीन नहीं हड़पता-वह नागरिक का विश्वास हड़पता है। वह वृद्ध व्यक्ति की सुरक्षा छीनता है। परिवार की भविष्य की पूंजी छीनता है। बच्चों के सपनों का आधार छीनता है। वर्षों की मेहनत को मिट्टी में मिला देता है। और जब पीड़ित न्याय के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाता है, तब उसकी जमीन के साथ-साथ उसका समय, धन, सम्मान और मानसिक शांति भी लूटी जाती है। इसलिए भूमि कब्जा केवल संपत्ति का अपराध नहीं है। यह नागरिक के जीवन की लूट है। सत्ता को यह समझना होगा कि किसी सरकार की वास्तविक शक्ति बड़े-बड़े भवनों, योजनाओं और घोषणाओं से नहीं मापी जाती। उसकी वास्तविक शक्ति इस बात से मापी जाती है कि वह सबसे कमजोर नागरिक की जमीन की रक्षा कितनी ईमानदारी से करती है।

यदि किसी नागरिक को अपनी जमीन बचाने के लिए किसी नेता की सिफारिश, किसी अधिकारी से व्यक्तिगत संपर्क या किसी प्रभावशाली व्यक्ति के संरक्षण की आवश्यकता पड़े, तो यह कानून के शासन की विफलता है। यदि भू-माफिया का फोन प्रशासनिक आदेश से अधिक प्रभावशाली हो जाए, तो सत्ता को अपने भीतर झांकना चाहिए। यदि पीड़ित की शिकायतें बार-बार कागजों में समाप्त होती रहें और जमीन पर अन्याय बना रहे, तो यह निस्तारण नहीं-प्रशासनिक छल है। सरकारों को यह भी समझना होगा कि भू-माफिया को संरक्षण देना केवल एक नागरिक के साथ अन्याय नहीं है। यह राज्य की वैधता को कमजोर करना है। जब समाज में यह संदेश फैलता है कि पैसा, पहुंच और दबंगई कानून से ऊपर हैं, तब लोकतंत्र भीतर से सड़ने लगता है। किसी भी सभ्य शासन-व्यवस्था में यह स्वीकार्य नहीं हो सकता कि वैध मालिक अपनी जमीन के लिए वर्षों तक संघर्ष करे और कब्जाधारी केवल समय के बल पर मजबूत होता जाए। अब प्रशासन को केवल अतिक्रमण हटाने के अभियान नहीं, बल्कि उस पूरे नेटवर्क को तोड़ना होगा जो अवैध कब्जों को जन्म देता और बचाता है। पुराने मामलों की स्वतंत्र समीक्षा होनी चाहिए। वर्षों से लंबित शिकायतों का पुनरीक्षण होना चाहिए। गलत रिपोर्ट देने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। फर्जी दस्तावेजों, दलाल तंत्र और राजनीतिक संरक्षण की जांच होनी चाहिए। और सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि प्रशासन किसके साथ खड़ा है? उस नागरिक के साथ जिसने कानून का पालन किया? या उस कब्जाधारी के साथ जिसने कानून को चुनौती दी? यह केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं-लोकतंत्र की परीक्षा है।

सत्ता को याद रखना चाहिए-कुर्सियां स्थायी नहीं होतीं, पद स्थायी नहीं होते, राजनीतिक संरक्षण स्थायी नहीं होता। लेकिन अन्याय की स्मृति लंबे समय तक जीवित रहती है। जिस नागरिक की जमीन छीनी जाती है, वह केवल संपत्ति नहीं खोता; वह व्यवस्था पर अपना विश्वास खोता है। और जब नागरिक व्यवस्था पर विश्वास खो देता है, तब लोकतंत्र की सबसे मजबूत इमारत भी भीतर से कमजोर हो जाती है।

इसलिए अब समय आ गया है कि सत्ता अपनी आंखें खोले और प्रशासन अपनी रीढ़ सीधी करे। भू-माफिया को संरक्षण देने वाला हर मौन, अपराधी की ताकत बनता है। हर गलत रिपोर्ट, न्याय के विरुद्ध एक दस्तावेज होती है। हर अनावश्यक देरी, कब्जाधारी के पक्ष में दिया गया अदृश्य निर्णय होती है। और याद रखना होगा-

जब नागरिक अपनी जमीन बचाने के लिए अपराधियों से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्क्रियता से लड़ने को विवश हो जाए, तब समस्या केवल भू-माफिया की नहीं रहती-समस्या शासन की आत्मा में प्रवेश कर चुकी होती है। अब निर्णय सत्ता को करना है-

वह नागरिक के अधिकार की रक्षा करेगी या कब्जाधारी के प्रभाव की? वह कानून को सर्वोच्च बनाएगी या संपर्कों को? वह न्याय करेगी या केवल फाइलों का निस्तारण? क्योंकि इतिहास अंततः यह नहीं पूछेगा कि कितनी शिकायतें बंद की गईं। इतिहास यह पूछेगा- जब नागरिक की जमीन लूटी जा रही थी, तब सत्ता किसके साथ खड़ी थी?

बदलते हिमालय के बीच बदलनी होगी तीर्थयात्रा की संस्कृति

प्रो. आरके जैन
लेखक

अमरनाथ यात्रा का भारी वर्षा और लगातार भूस्खलन के कारण थम जाना महज प्रशासनिक विवशता नहीं, बल्कि हिमालय का वह स्पष्ट संदेश है जिसे अब अनसुना करने की गुंजाइश नहीं बची। सदियों से श्रद्धालु बर्फ, दुर्गम चढ़ाइयों और कठिन रास्तों को तपस्या की तरह पार कर बाबा बर्फानी के दरबार तक पहुँचते रहे हैं, लेकिन इस बार मार्ग किसी सरकारी आदेश से नहीं, स्वयं प्रकृति ने बंद किया है। यह ठहराव आस्था पर विराम नहीं, उसकी रक्षा का आग्रह है। असली प्रश्न यात्रा दोबारा कब शुरू होगी, यह नहीं; बल्कि यह है कि क्या हम जलवायु की लगातार मिल रही चेतावनियों को अब भी संयोग मानते रहेंगे? जब हिमालय स्वयं अपनी सीमाएँ बता रहा हो, तब उससे टकराना नहीं, उसके संकेतों को समझना ही बुद्धिमानी है। अमरनाथ यात्रा का यह विराम स्पष्ट कर रहा है कि अब तीर्थयात्रा और जलवायु को अलग-अलग खाँचों में रखकर नहीं देखा जा सकता।

अमरनाथ केवल एक गुफा नहीं, भारतीय आस्था की जीवंत चेतना है। लेकिन पिछले दस-पंद्रह वर्षों में हिमालय का स्वभाव तेजी से बदला है। ग्लेशियर सिमट रहे हैं, वर्षा अनिश्चित होती जा रही है और भूस्खलन अब अपवाद नहीं, नई वास्तविकता है। भारतीय मौसम विभाग तथा वैश्विक जलवायु अध्ययनों के अनुसार हिमालयी क्षेत्र का तापमान राष्ट्रीय औसत की तुलना में लगभग दोगुनी गति से बढ़ रहा है। वर्ष 2026 की घटना पहली चेतावनी नहीं; 2019 और 2022 में भी प्रकृति ने यात्रा के दौरान इसी तरह अपना संकेत दिया था। हर बार यात्रा रुकती है तो केवल श्रद्धालुओं की भावनाएँ ही नहीं, बल्कि घोड़े वालों, पिट्ठुओं, दुकानदारों, होटल व्यवसायियों और स्थानीय परिवहन से जुड़े हजारों परिवारों की आजीविका भी थम जाती है। स्पष्ट है, यह संकट केवल धार्मिक नहीं, सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संतुलन की भी चुनौती है।

सच यह है कि तीर्थयात्रा का अर्थ अब केवल श्रद्धा की पदयात्रा नहीं रह गया। वह पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के बीच नाजुक संतुलन का विषय बन चुकी है। हिमालय जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र पर एक साथ लाखों श्रद्धालुओं का बढ़ता दबाव प्रकृति की वह कीमत वसूल रहा है, जिसका अनुमान लंबे समय तक नहीं लगाया गया। यात्रा मार्गों पर फैलता प्लास्टिक कचरा, मानवीय अपशिष्ट, अस्थायी निर्माण और वाहनों का धुआँ पर्यावरण की सहनशक्ति को लगातार क्षीण कर रहे हैं। हिमालयी पर्यावरण अध्ययन संस्थानों ने भी मार्गों पर कई गुना बढ़े कचरे को गंभीर चेतावनी माना है। परिणाम सामने है-ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियाँ अधिक गाद ढो रही हैं और वर्षा का स्वभाव अप्रत्याशित होता जा रहा है। प्रकृति का संतुलन बिगड़ते ही वही मार्ग, जो आस्था की राह थे, पलभर में संकट की राह बन जाते हैं। समाधान अब केवल सद्भावना से नहीं, वैज्ञानिक दूरदृष्टि से निकलेगा। सबसे पहले यात्रा की अवधि और प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या का निर्धारण मौसमीय जोखिम और वैज्ञानिक आकलन के आधार पर किया जाए। जलवायु मॉडलिंग संकेत देती है कि जुलाई-अगस्त के कुछ अत्यधिक संवेदनशील सप्ताह यात्रा-मुक्त रखे जा सकते हैं। इससे हिमालय पर पड़ने वाला दबाव घटेगा और श्रद्धालुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इसके साथ ऐसे वैकल्पिक मार्ग विकसित किए जाएँ जिनसे पर्यावरण पर अपेक्षाकृत कम प्रभाव पड़े। हेलीकॉप्टर सेवा बनी रहे, लेकिन सीमित दायरे में और प्राथमिकता केवल बुजुर्गों, दिव्यांगों तथा विशेष परिस्थितियों वाले श्रद्धालुओं को मिले। तीर्थयात्रा का उद्देश्य सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि सुरक्षा, संतुलन और प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व होना चाहिए। तीर्थयात्रा का हर कदम पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व का भी संकल्प बने। प्रत्येक श्रद्धालु के लिए बायोडिग्रेडेबल सामग्री का उपयोग अनिवार्य हो, प्लास्टिक पर कठोर नियंत्रण लागू किया जाए और साथ ले जाया गया कचरा वापस लाना यात्रा का अनिवार्य नियम बने। डिजिटल ट्रैकिंग से भीड़ का वास्तविक समय में प्रबंधन हो, ताकि किसी भी मार्ग पर क्षमता से अधिक दबाव न पड़े। इससे दुर्घटनाओं की आशंका घटेगी और बदलते मौसम के अनुरूप प्रशासन समय रहते निर्णय ले सकेगा। तकनीक यदि भीड़ जुटाने का साधन बन सकती है, तो प्रकृति की रक्षा और तीर्थयात्रा को अधिक सुरक्षित बनाने का माध्यम भी बन सकती है। इन प्रयासों को स्थायी आधार देने के लिए अब 'क्लाइमेट रेसिलिएंट तीर्थयात्रा नीति' केवल एक विकल्प नहीं, समय की अनिवार्य आवश्यकता है। इसमें केंद्र सरकार, जम्मू-कश्मीर प्रशासन, धार्मिक गुरु, पर्यावरण विशेषज्ञ, मौसम वैज्ञानिक और स्थानीय समुदाय की समान भागीदारी सुनिश्चित की जाए। वर्चुअल या डिजिटल दर्शन की व्यवस्था भी इतनी सशक्त हो कि प्रतिकूल मौसम, स्वास्थ्य अथवा आयु के कारण यात्रा न कर पाने वाले श्रद्धालुओं की आस्था भी निर्बाध बनी रहे। साथ ही हिमालयी क्षेत्रों में व्यापक वृक्षारोपण, ग्लेशियर संरक्षण परियोजनाओं और सस्टेनेबल पर्यटन मॉडल को प्राथमिकता मिले। इससे यात्रा अधिक सुरक्षित होगी, प्रकृति का संतुलन सुदृढ़ होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक आधार मिलेगा। भविष्य उसी का होगा, जहाँ संरक्षण और विकास प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहयात्री बनें।

सबसे बड़ा बदलाव व्यवस्थाओं से पहले हमारी सोच में आना होगा। अमरनाथ केवल बर्फ से बनी एक गुफा नहीं, हिमालय की सजीव चेतना का प्रतीक है। उसकी बर्फ, नदियाँ, वन और पर्वत केवल सांस्कृतिक विरासत नहीं, हमारे अस्तित्व की आधारशिला हैं। यदि इन्हें बचाने में हम चूक गए, तो आने वाली पीढ़ियाँ केवल अमरनाथ यात्रा ही नहीं, हिमालय की आज की विराटता को भी इतिहास के पन्नों में तलाशेंगी। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की सच्चाई है; उसकी दस्तक हमारे खेतों, शहरों और तीर्थों तक पहुँच चुकी है। इसलिए तीर्थयात्रा को जलवायु-अनुकूल बनाना आस्था पर अंकुश नहीं, उसे आने वाले समय तक अक्षुण्ण रखने का दायित्व है। आखिर प्रकृति ही सबसे बड़ा तीर्थ है; यदि वही संकट में पड़ गई, तो शेष सभी तीर्थ केवल स्मृतियों के स्मारक बनकर रह जाएंगे।

केरल में नशे का फैलता जाल और उससे जंग

स्नेहा सिंह
लेखिका

पिछले कुछ वर्षों में केरल में ऐसे युवाओं की संख्या लगातार बढ़ी है, जो स्वयं नशीले पदार्थों के आदी हैं और प्रतिबंधित मादक एवं मनोत्तेजक पदार्थों की तस्करी में भी शामिल हो रहे हैं। लगभग एक दशक पहले शराब पर नियंत्रण और प्रतिबंध संबंधी नीतियों के बाद राज्य में ड्रग्स की ओर बढ़ते रुझान के संकेत स्पष्ट होने लगे थे। लेकिन अब समस्या और गंभीर हो गई है, क्योंकि सिंथेटिक ड्रग्स के तस्कर कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बचने के लिए डिजिटल तकनीक और सोशल मीडिया का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रहे हैं। इस जानलेवा लत का दायरा अब दक्षिण भारत के अन्य राज्यों तक भी फैलने लगा है।

रोजगार महत्वपूर्ण है, लेकिन युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए समय पर रोजगार उससे भी अधिक जरूरी है। जब युवाओं को रोजगार नहीं मिलता, तो वे भटकने लगते हैं। इसी भटकाव के दौरान उनका सामना ड्रग्स तस्करों से हो जाता है। ड्रग माफिया की कार्यप्रणाली के अनुसार पहले बेरोजगार और भटकते युवाओं को अच्छी नौकरी का लालच दिया जाता है।

इसके बाद असली खेल शुरू होता है। उन्हें कूरियर जैसी डिलीवरी का काम सौंपा जाता है, जिसके बदले उन्हें पैसे मिलने लगते हैं। धीरे-धीरे वे स्वयं भी नशे के आदी बन जाते हैं। यहीं से एक खतरनाक दुष्चक्र की शुरूआत होती है।

कोविड-19 प्रभावित वर्ष 2020-21 के दौरान राज्य में एनडीपीएस कानून के तहत दर्ज मामलों की संख्या में कमी आई थी, लेकिन 2022 में यह संख्या बढ़कर 26,619 हो गई, जबकि 2021 में यह 5,695 थी। वर्ष 2025 में यह आंकड़ा फिर बढ़कर 36,314 तक पहुंच गया। इस दौरान बड़ी मात्रा में तस्करी किए गए मादक पदार्थ भी जब्त किए गए। राज्य की व्यापारिक राजधानी एनार्कुलम इस समस्या का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। कई एजेंसियों के प्रयासों के बावजूद सफलता सीमित रही है। यूडीएफ सरकार ने जून में 'ऑपरेशन तूफान' शुरू कर अपने ड्रग विरोधी अभियान को अधिक संगठित और समन्वित बनाने का प्रयास किया। इस पहल के तहत राज्य पुलिस ने दक्षिण भारत के अन्य राज्यों की पुलिस, केंद्रीय एजेंसियों तथा राज्य के शिक्षा, स्वास्थ्य और आबकारी विभागों के साथ मिलकर काम किया। इसके बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। दूसरी ओर ड्रग माफिया भारी मुनाफा कमा रहे हैं और उनका भूमिगत नेटवर्क लगातार फैलता जा रहा है। सरकार की कार्रवाई कछुए की गति से चल रही है, जबकि ड्रग माफिया चीते की रफ्तार से आगे बढ़ रहे हैं।

एक समय पंजाब की भी यही स्थिति थी। आज पंजाब में रासायनिक उर्वरकों से उगाए गए गेहूं के कारण कैंसर के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हुई है और बड़ी संख्या में युवा ड्रग्स के जाल में फंस चुके हैं। समन्वित कार्रवाई, जनभागीदारी, नशा पीड़ितों के पुनर्वास तथा त्वरित एवं प्रभावी अभियान पर ध्यान केंद्रित करते हुए केरल सरकार ने 15 जुलाई तक लगभग 7,100 मामलों में 7,600 से अधिक ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनमें अधिकांश बरामदगी सिंथेटिक मादक पदार्थों की रही। चूंकि फोरेंसिक जांच में देरी के कारण कई बार मादक पदार्थों से जुड़े मामलों की सुनवाई प्रभावित होती है, इसलिए वर्तमान अभियान में इस पहलू पर विशेष ध्यान दिया गया है।

मादक पदार्थों के तस्करों का नेटवर्क इतना जटिल होता है कि जांच प्रायः केवल छोटे अपराधियों तक ही सीमित रह जाती है। सरकार अब जांच एजेंसियों और समाज को 'तूफान योद्धा' के रूप में एकजुट करने का प्रयास कर रही है। साथ ही इस अभियान का उद्देश्य NCORD ढांचे के अंतर्गत राष्ट्रीय खुफिया सूचना साझा करने और समन्वय प्रणाली को मजबूत करना है, जिसमें गिरफ्तार नार्को अपराधियों के NIDAAN डेटाबेस का भी उपयोग किया जा रहा है। विभिन्न खुफिया एजेंसियां भी सरकार को छापेमारी और गिरफ्तारियों में महत्वपूर्ण सहयोग दे रही हैं। फिर भी केरल के युवाओं को ड्रग्स की गिरफ्त से बाहर निकालना आसान नहीं है। केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्नीथला संयुक्त प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मुलाकात कर रहे हैं। बेहतर समन्वय के लिए राज्य नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की प्रक्रिया में हैं और एक साझा प्लेटफार्म भी विकसित किया जा रहा है। चूंकि ये अवैध गिरोह अपने नेटवर्क के विस्तार, तस्करों की भर्ती, समन्वय और डिलीवरी के लिए लगातार नई तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं, इसलिए आवश्यक है कि केरल अपनी जिला नारकोटिक्स विरोधी स्पेशल एक्शन फोर्स (DANSAF) के कर्मियों के कौशल को नवीनतम मानकों के अनुरूप उन्नत करे। साथ ही इन मामलों की जांच और अभियोजन में किसी भी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए साइबर फोरेंसिक क्षमताओं को मजबूत बनाना भी उतना ही आवश्यक है।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 20 क्षय रोगियों को वितरित किया गया पोषण आहार

पौष्टिक भोजन, नियमित दवा और जन-जागरूकता से ही जीती जा सकती है टीबी की जंग विभु बंसल

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद मे भारत सरकार के द्वारा संचालित टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश आनंदीबेन पटेल के निदेशों के क्रम में आज पिलखुवा नगर पालिका परिषद सभागार में टीबी रोगियों के लिए पोषाहार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद पिलखुवा अध्यक्ष श्री विभु बंसल ने 20 क्षय (टी0बी0) रोगियों को पोषाहार किट वितरित कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री विभु बंसल ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार के द्वारा टी0बी0 उन्मूलन के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। टीबी के उपचार में नियमित दवा के साथ-साथ पौष्टिक एवं प्रोटीन युक्त आहार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि यदि रोगी समय पर जांच कराए, चिकित्सकीय सलाह के अनुसार दवा का सेवन करे तथा संतुलित आहार ले, तो टीबी का पूर्ण उपचार संभव है। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों से निक्षय मित्र बनकर टी0बी 0 रोगियों को पोषण एवं सामाजिक सहयोग प्रदान करने की अपील भी की।

कार्यक्रम में जनपद स्तरीय जिला पी.पी.एम. कोऑर्डिनेटर सुशील चौधरी ने उपस्थित लोगों को टी0बी 0 रोग के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दो सप्ताह से अधिक समय तक लगातार खांसी रहना, वजन कम होना, लगातार बुखार आना, रात में अधिक पसीना आना तथा भूख कम लगना टीबी के प्रमुख लक्षण हो सकते हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर व्यक्ति को तत्काल नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच करानी चाहिए।उन्होंने बताया कि टीबी एक संक्रामक बीमारी अवश्य है, लेकिन यह पूर्णतः उपचार योग्य है। सरकार द्वारा सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में निशुल्क जांच एवम्-उपचार की सुविधा उपलब्ध है इस अवसर पर जिला शाह रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह ने जंग समूह को बताया कि भारत सरकार निशुल्क जांच उपचार के साथ-साथ एक हजार रुपए प्रति माह मरीज को डीबीटी के माध्यम से मरीज के अकाउंट में भी देती है इस अवसर पर सभासद पति सचिन पुंडीर एवं स्वास्थ्य विभाग से विजय कुमार आदि उपस्थित रहे।

गढ़मुक्तेश्वर में खाद्य विभाग की छापेमारी, बिरयानी, पनीर व रिफाइंड तेल के नमूने जांच के लिए भेजे गए

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उ०प्र० लखनऊ के आदेश एव जिलाधिकारी महोदया के निर्देश के क्रम में आज दिनांक-20.07.2026 को चन्द्र शेखर मिश्र सहायक आयुक्त (खाद्य)-।।हापुड के नेतृत्व मे गठित सचल दल जिसमे, पंकज कुमार मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, सोवेन्द्र सिंह पंघाल, विपिन कुमार सिंह, आर. पी. गुप्ता, सहरिश सादात, मोहित कुमार खाद्य सुरक्षा अधिकारी सम्मिलित रहे द्वारा जनपद हापुड़ में की गयी कार्यवाही का विवरण निम्नानुसार है।ग्राम राजपुर तहसील गढ़मुक्तेश्वर हापुड स्थित शकील दुग्ध एव पनीर भण्डार पर औचक छापा मारकर पनीर के दो नमूने, रिफाइन्ड ऑयल का एक नमूना संग्रहित किया गया है। मौके पर अस्वास्थ्यकर परिस्थितियो मे भण्डारित 153 किलोग्राम पनीर अनुमानित कीमत रुपए 38250/- नष्ट कराया गया एव मौके पर पायी गयी कमियो के लिए सूधार सूचना नोटिस जारी किया जा रहा है। ग्राम अठसैनी तहसील गढ़मुक्तेश्वर हापुड स्थित चुन्नु बिरयानी पर औचक छापा मारकर बिरयानी के दो नमूने संग्रहित किया गया एव मौके पर पायी गयी कमियो के लिए सूधार सूचना नोटिस जारी किया जा रहा है।उपरोक्त समस्त नमूनो की वास्ते जाँच खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला प्रेषित किया जा रहा है। जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी साथ ही उक्त अभियान निरन्तर चलता रहेगा।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डा0 हिमानी अग्रवाल करेंगी 22 जुलाई 2026 को जनसुनवाई और निरीक्षण

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में सदस्य डा0 हिमानी अग्रवाल उ0प्र0 राज्य महिला आयोग, उत्तर प्रदेश का आयोजित महिला जनसुनवाई कार्यक्रम दिनांक 22 जुलाई 2026 को आयोजित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के लोक कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं के सम्बंध में सम्बंधित विभाग के अधिकारियों के साथ दिनांक 22 जुलाई 2026 को प्रातः 11:00 बजे मेरठ रोड स्थित सिंचाई विभाग के गेस्ट हाउस हापुड़ में जनसुनवाई आहूत होनी प्रस्तावित है, इसके उपरान्त माननीय सदस्य द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बालिका /महिला गृह एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण भी किया जाना प्रस्तावित है। विभाग के द्वारा निवेदन किया गया है कि महिला सम्बंधित प्रकरणों की जनसुनवाई हेतु अधिक से अधिक संख्या में भाग लें।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर गहरी नहर में पलटी, ग्रामीणों की सूझबूझ से चार यात्रियों की बची जान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ क्षेत्र में बजाहा-खुनुवा बॉर्डर डेवलपमेंट रोड पर एक सड़क हादसा हुआ। पड़ारहवा गांव के पास एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर गहरी नहर में पलट गई। इस हादसे में कार में सवार चार लोगों की जान बच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की रफ्तार काफी तेज थी, जिसके कारण चालक का संतुलन बिगड़ गया और वह अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। कार पलटने के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई, जिससे आसपास के खेतों और पड़ारहवा गांव के ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े।

नहर गहरी होने के बावजूद, स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। उन्होंने कार में फंसे चारों यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। ग्रामीणों की समय पर मदद से सभी यात्रियों की जान बच गई।

हादसे की सूचना मिलते ही यूपी 112 की टीम और एम्बुलेंस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने घटनास्थल का जायजा लिया और राहत कार्य में ग्रामीणों का सहयोग किया। एम्बुलेंस की मेडिकल टीम ने सभी यात्रियों को प्राथमिक उपचार दिया। डॉक्टरों के अनुसार, उन्हें मामूली चोटें आई हैं और वे खतरे से बाहर हैं।हादसे के कारण बॉर्डर डेवलपमेंट रोड पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित हो गया था। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित किया और क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को नहर से बाहर निकलवाकर यातायात को सामान्य कराया।

22 जुलाई को जिला सेवायोजन कार्यालय में लगेगा रोजगार मेला, मारुति सुजुकी कंपनी करेगी भर्ती

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। जिला सेवायोजन कार्यालय के तत्वावधान में 22 जुलाई को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी सोमवार को जिला सेवायोजन अधिकारी मिथिलेश कुमार मिश्रा ने दी। उन्होंने बताया कि रोजगार मेला सुबह 10 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर में आयोजित होगा।

मेले में एसकेएचवाई प्राइवेट लिमिटेड (टेक मारुति सुजुकी) कंपनी पुरुष एवं महिला अभ्यर्थियों की भर्ती करेगी। भर्ती के लिए हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईटीआई तथा डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया जाएगा।

अभ्यर्थियों की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी अपने साथ बायोडाटा, आधार कार्ड एवं एक पासपोर्ट आकार का फोटो लेकर निःशुल्क रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं।

इस संबंध में किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। अधिक जानकारी के लिए जिला सेवायोजन कार्यालय के प्रधान सहायक हरिश्चंद्र के मोबाइल नंबर 8318338392 एवं 8931064599 पर संपर्क किया जा सकता है।

हापुड़ पहुंचे सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल सपा कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। जनपद में समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने सोमवार को हापुड़ में आयोजित सपा कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश में कानून व्यवस्था, राम मंदिर व जौहार विश्वविद्यालय को लेकर भाजपा को घेरा और आरोप लगाया कि भाजपा की नसों में बदले की भावना का खून बह रहा है और उत्पीड़न पर उतरी है। सम्मेलन की अध्यक्षता सपा के जिला अध्यक्ष एडवोकेट आनंद गुर्जर ने की।

सपा के प्रदेश अध्यक्ष शिवलाल पाल ने पीडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा कि आज सूबे में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है चारों तरफ भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी का बोलबाला है। भाजपा बुलडोजर दिखाकर भय व आतंक की राजनीति कर रही है।

अयोध्या के राम मंदिर से चढ़ावा चोरी में बड़े लोगों को बचाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा 2027 के चुनाव में सत्ता की डोर भाजपा के हाथ से निकल चुकी है और सपा पीडीए के सहारे स्पष्ट बहुमत लेकर सरकार बनाएगी तथा सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव प्रदेश के मुख्यमंत्री होंगे। उन्होंने सपा कार्यकताओं से कहा कि वह संगठन को बूथ स्तर तक कार्य करें और अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में सपा की जीत के लिए अभी से चुनाव मोर्चे पर डट जाए।

सम्मेलन में सपा के वरिष्ठ नेता चौधरी शीशपाल सिंह, भूषण त्यागी, असलम चौधरी, तेजपाल प्रमुख, किशन सिंह तोमर, एडवोकेट ललित सिंह व पुरुषोत्तम वर्मा सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

News18 के पत्रकार विपिन गिरी के आकस्मिक निधन से जिले की पत्रकारिता जगत में शोक की लहर

वरिष्ठ पत्रकार विपिन गिरी नहीं रहे, पत्रकारों व अधिवक्ताओं ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के कस्बा धौलाना निवासी पत्रकार विपिन गिरी का सोमवार प्रातः आकस्मिक निधन हो जाने से पत्रकारिता एवं अधिवक्ता जगत में शोक की लहर दौड़ गई। विपिन गिरी कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। सोमवार सुबह उनके निधन की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। उनके निधन को क्षेत्र के पत्रकारों एवं अधिवक्ताओं ने समाज और पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया तथा दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह भी पहुंचे परिवार को सांत्वना देने

विपिन गिरी के आकस्मिक निधन की सूचना पर हापुड़ के पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह भी उनके निवास स्थान धौलाना पहुंचे और शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। एसपी ने दिवंगत पत्रकार के परिजनों से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

पत्रकार जगत ने व्यक्त किया शोक

वरिष्ठ पत्रकार राजीव वशिष्ठ, संपादक लोकेश बंसल, मुलित त्यागी, अशोक गोस्वामी, अमित मुन्ना, चरणजीत सिंह, शक्ति सिंह, शिवपाल सिंह, राहुल गहलौत, हरेंन्द्र शर्मा, अंकित गौतम, आरिफ कस्सार, दिनेश गुप्ता, बृजेश गहलोत, अमर सिंह, नफीस चौधरी, मौर्य गौतम, पत्रकार मौर्य गौतम, एनडीटीवी से अदनान, मोहित, प्रमोद शर्मा, विजय, दानिश, वशिष्ठ न्यूज एजेंसी संचालक आदित्य वशिष्ठ, भास्कर पंडित सहित अनेक पत्रकारों ने गहरा शोक व्यक्त किया।

अधिवक्ता जगत ने दी श्रद्धांजलि

राजीव तोमर, अभिषेक तोमर, ओमपाल राणा विकट, सहिन शर्मा, सचिन शर्मा, मोहित शर्मा, राहुल तोमर, रणदीप राघव, अमर पाल सिंह राणा, रामकिशन शिशोदिया, प्रदीप बझोड़िया, राहुल राणा, सतीश राणा सहित अनेक अधिवक्ताओं ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

आम नागरिकों ने भी व्यक्त किया शोक

विनीत भद्ध, जितेंद शर्मा, हसीन चौधरी, शहजाद चौधरी, मोहनपाल सिंह, तिलकचंद, वाहिद राणा (देहरा), जुम्मा, उमेश राणा, जावेद राणा सहित अनेक नागरिकों ने दिवंगत पत्रकार को श्रद्धांजलि अर्पित की और ईश्वर से प्रार्थना की कि शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

भावभीनी श्रद्धांजलि

ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

क्षेत्र में शोक की लहर

विपिन गिरी अपने सरल स्वभाव, निष्पक्ष पत्रकारिता और सामाजिक सरोकारों के लिए जाने जाते थे। उनके निधन से न केवल पत्रकारिता जगत बल्कि समाज के हर वर्ग को अपूरणीय क्षति हुई है। सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति दें।

छात्रों के पुरस्कार के बहाने इंश्योरेंस का झांसा देकर अभिभावकों से लाखों रुपये की ठगी का आरोप

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। बढ़नी कस्बे में एक विवाह घर में 22 लोगों की एक टीम के द्वारा स्कूली बच्चों को परीक्षा एवं सार्टिफिकेट,पुरस्कार के नाम पर अभिभावकों को गुमराह एवं धोखाधड़ी कर झांसा देकर कथित एक प्राइवेट कंपनी का इंसोरेंस करके वर्कर्स द्वारा लाखों रुपए हड़पने पर अभिभावकों के हंगामा काटा।

पुलिस व अभिभावकों के सतर्कता से पकड़े गये कथित इंसोरेंस कम्पनी वर्कर्स द्वारा शिकायतकर्ता से लिये गये एक लाख साठ हजार रुपये के सापेक्ष एक लाख तीस हजार रुपये को वापस किया। शेष पैसों को समझौता पत्र के आधार पर जल्द ही वापस करने को कहा।रविवार को सुबह एक निजी स्कूल (बढ़नी के डिवाइन विजडम स्कूल) के बच्चों के अभिभावकों के मोबाइल पर परीक्षा में स्थान आने पर प्राइज सर्टिफिकेट लेने के लिए कस्बा बढ़नी में ही पचपेड़वा रोड के ब्लॉक के पास उत्तर साइड स्थित एक निजी मैरिज हाल में बच्चों व अभिभावकों को बुलाया गया।

मैरेज हाल में स्कूल के कुछ नामित बच्चे अपने अभिभावकों के साथ पहुंचे। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि मुख्य कार्यक्रम से हटकर वहाँ मैरिज हाल में मौजूद 22 सदस्यीय टीम जिसमें करीब 15 लड़कियां शामिल रही। अभिभावकों ने मैरिज हाल में मौजूद कथित जनरली सेंट्रल लाइफ इंसोरेंस कंपनी के बारे में जानकारी देते हुए कई बीमा प्लान के बारे में प्राइवेट कम्पनी वर्कर्स द्वारा गुमराह करने का आरोप लगाया। कई अभिभावक उक्त कंपनी के नाम पर विश्वास करके बच्चों के फ्यूचर के लिए लाखों रुपए का इंसोरेंस भी कराया, जिसके बकायदा फॉर्म इत्यादि भराए गए, उसके बाद वहां उपस्थित

लोगों ने एक क्यू आर कोड लोगो को उपलब्ध कराया, झांसे में आकर कई अभिभावकों ने लाखों रुपए खाते से ट्रांसफर हो गये।

इसी दौरान कुछ लोगों को वहां उपस्थित वर्कर्स व कार्यक्रम आयोजन करने वालों पर शक हुआ,उन्होंने स्कूल के मैनेजमेंट से सम्पर्क किया। जहां इस तरह के किसी कार्यक्रम होने या इंसोरेंस कराने के कार्यक्रम करने से इनकार किया गया। जिसकी जानकारी होते ही कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों ने हंगामा करना शुरू कर दिया।

हंगामा देख कथित कम्पनी के वर्कर्स में शामिल लड़कियां वहाँ से गाड़ी में बैठकर भागने लगी। मामला के पूरी तरह शक होने पर कस्बा के निजी स्कूल के मैनेजमेंट देख रहे मोहम्मद जमील सिद्दीकी भी वहां पहुंचे,उन्होंने भी कार्यक्रम आयोजकों से जानकारी लिया,लेकिन पकड़े गये कथित कम्पनी के वर्कर्स के जबाब से वे और अभिभावक असंतुष्ट रहे। इसी बीच एक अभिभावक ने फ्रॉड के इस घटना की सूचना स्थानीय चौकी प्रभारी को दिया।

सूचना मिलने के कुछ देर बाद चौकी प्रभारी वीरेंद्र यादव भी मौके पर पहुंचे,जहां लिखित रूप से उनको मामले की जानकारी दी गई, जिसके बाद चौकी प्रभारी एवं अन्य लोगों के हस्तक्षेप से बढ़नी निवासी पीड़ित अभिभावक विष्णु कुमार गुप्ता नामक छात्र अभिभावक के ऑनलाइन खाते से ट्रांसफर कर लिये गये 160000 में से 130000 वापस कराये गए,बाकी रुपये सप्ताह भीतर वापस करने की बात की गई,उक्त मामले में कई अभिभावकों के पैसे देने की बात सामने आ रही है।

एक अन्य अभिभावक के पैसों की वापसी करने का वादा वर्कर्स हेड ने किया है। इस संबंध में डिवाइन पब्लिक स्कूल के प्रबंधक मोहम्मद जमील सिद्दीकी ने बताया कि स्कूल के बच्चों को परीक्षा के बाद पुरस्कार देकर सम्मानित करने का कार्यक्रम करने के लिये एक कम्पनी ने कहा। लेकिन पुरस्कार देने के कार्यक्रम के जगह पर छात्र अभिभावकों की गुमराह करके जिस प्रकार कथित कम्पनी के लोगों द्वारा रुपए लिए जा रहे है, उसकी स्कूल प्रशासन को कोई जानकारी नहीं हो पायी।

ऐसे कार्यक्रम का हम समर्थन भी नहीं करते है। इस संबंध में चौकी प्रभारी वीरेंद्र यादव ने बताया मामले की जानकारी मिली थी, मौके पर पहुंचकर मामले में शिकायतकर्ता एवं कार्यक्रम आयोजकों के बीच रुपए वापस करने के नाम पर कई लोगो के उपस्थिति में सहमति बन गई, बाकी अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है।

तहसील चौपाल पर जाम की स्थिति देख सिटी कोतवाल मनीष चौहान ने संभाला मोर्चा, यातायात कराया सुचारु

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। तहसील चौपाल क्षेत्र में सोमवार को भारी जाम की स्थिति उत्पन्न होने पर हापुड़ सिटी कोतवाल मनीष चौहान स्वयं मौके पर पहुंचे और मोर्चा संभाल लिया। उन्होंने चौराहे पर खड़े होकर पुलिसकर्मियों के साथ यातायात व्यवस्था को नियंत्रित किया तथा वाहनों को व्यवस्थित ढंग से निकलवाया।

कोतवाल मनीष चौहान ने मौके पर मौजूद पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, जिसके बाद कुछ ही समय में जाम की स्थिति सामान्य हो गई। उनकी सक्रियता और त्वरित कार्रवाई से राहगीरों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों को काफी राहत मिली।

स्थानीय लोगों ने भी कोतवाल मनीष चौहान की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि अधिकारियों का स्वयं सड़क पर उतरकर यातायात व्यवस्था संभालना आम जनता के लिए राहत देने वाला कदम है। उनकी सक्रिय निगरानी से तहसील चौपाल क्षेत्र में यातायात सुचारु रूप से संचालित होता रहा।

वर्ष 2025 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों का दल पहुंचा गीता शोध संस्थान

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। वर्ष 2025 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के प्रशिक्षु महिला एवं पुरुष अधिकारियों का दल शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत 20 जुलाई (सोमवार) को गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी, वृंदावन पहुँचा। संस्थान के सभागार में आयोजित परिचयात्मक सत्र में उन्हें ब्रज की सांस्कृतिक, धार्मिक एवं पर्यटन कार्यकलाप व गतिविधियों से परिचित कराया गया।

गीता शोध संस्थान के समन्वयक चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने प्रशिक्षु अधिकारियों को बताया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की पहल पर वर्तमान में स्वच्छ अभियान व्यापक जनभागीदारी के साथ संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत ब्रज के तीर्थस्थलों, परिक्रमा मार्गों, घाटों तथा सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाईवके साथ जनजागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि रविवार को वृंदावन की लगभग 11 किलोमीटर लंबी परिक्रमा पर एक साथ विशेष स्वच्छता का महाअभियान चलाया गया।

परिचयात्मक सत्र में अवगत कराया गया कि मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता वाले उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़े पौराणिक स्थलों, यमुना के प्राचीन घाटों एवं ऐतिहासिक कुंडों के संरक्षण, जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के साथ-साथ श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए आधुनिक पर्यटन अवसंरचना और टूरिस्ट फैसिलिटेशन से जुड़े अनेक कार्य कराए जा रहे हैं। पांचजन्य प्रेक्षागृह, श्रीस्वामी हरिदास प्रेक्षागृह, आधा दर्जन मुक्ताकाशीय मंच भी बनवाए गए हैं।

गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी की गतिविधियों के संबंध उन्हें बताया गया कि संस्थान में रासलीला का प्रशिक्षण एवं मंचन, श्रीमद्भगवद्गीता के प्रेरक कार्यक्रमों के साथ-साथ साहित्यिक, सांस्कृतिक आयोजन नियमित रूप से होते हैं। प्रशिक्षु अधिकारियों ने ब्रज की सांस्कृतिक विरासत, तीर्थ विकास, स्वच्छता अभियान की सराहना करते हुए इसे प्रशासनिक प्रशिक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी अनुभव बताया।

जिलाधिकारी ने जनपद मथुरा के बाद स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक बाहरी निरीक्षण किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जिलाधिकारी ने जनपद मथुरा के बाद स्थित ई.वी.एम-वी.वी.पैट वेयरहाउस का मासिक बाहरी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिसमें इंडियन नेशनल कांग्रेस से बलवीर सिंह प्रधान एवं कंचन सिंह, समाजवादी पार्टी से वीरेन्द्र यादव, सोनू सिंह, विकास यादव एवं ओम प्रकाश यादव, बहुजन समाज पार्टी से मुनेंद्र सिंह निगम आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने वेयरहाउस की नियमित साफ-सफाई के निर्देश दिए। निरीक्षण में जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम के माध्यम से संपूर्ण क्षेत्र का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा में तैनात कर्मियों को मूल-भूत सुविधाएं प्रदान करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को निर्देश दिए कि अपने कार्यों को जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करे। सतर्कता बनाए रखे तथा निरंतर निगरानी सुनिश्चित करें। निरीक्षण में सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमती सुनीता सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ पंकज कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार, डिप्टी कलेक्टर रघुवेंद्र सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज खंडेलवाल तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारी सहित विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में भाजपा का 'संगठन संकल्प प्रशिक्षण शिविर' आयोजित किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में आज भारतीय जनता पार्टी श्रीनगर विधानसभा के 'संगठन संकल्प प्रशिक्षण शिविर' के अंतर्गत आयोजित शक्ति केंद्र संयोजकों एवं शक्ति केंद्र प्रभारियों के प्रशिक्षण का समापन सत्र कार्यक्रम आयोजित किया गया। समापन सत्र में कैबिनेट मंत्री डॉ. धनसिंह रावत ने प्रतिभाग किया।

डॉ. रावत ने कहा कि प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति एवं जनसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूती प्रदान करने की प्रेरणा मिली। हम सभी कार्यकर्ता राष्ट्रहित, संगठन हित एवं जनकल्याण के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष और आध्यात्मिक गुरु पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती महाराज जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। साथ ही मुख्य वक्ता प्रदेश महामंत्री श्री कुंदन परिहार, जिला अध्यक्ष श्री कमल किशोर रावत तथा जिला प्रभारी श्री नलिन भट्ट की गरिमामयी उपस्थिति एवं प्रेरक उद्बोधन ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संदेश दिया।

जौहर विश्वविद्यालय पर कार्रवाई रोकने की मांग, एआईएमआईएम ने सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के जिलाध्यक्ष निशात अली ने सोमवार को मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय, रामपुर के संबंध में प्रस्तावित अथवा चल रही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति एवं मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय प्रदेश का एक महत्वपूर्ण उच्च शिक्षण संस्थान है, जहां हजारों छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। यदि विश्वविद्यालय के विरुद्ध ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाती है तो इससे विद्यार्थियों की शिक्षा, भविष्य और शैक्षणिक वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ज्ञापन में संविधान के अनुच्छेद 21, 21ए, 41 और 46 का उल्लेख करते हुए कहा गया कि शिक्षा के अधिकार और विद्यार्थियों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि किसी निर्माण को लेकर कोई वैधानिक या तकनीकी विवाद है तो उसका समाधान विधिसम्मत प्रक्रिया और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप किया जाए, ताकि शिक्षा प्रभावित न हो।

एआईएमआईएम ने मांग की है कि प्रस्तावित कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाई जाए, विद्यार्थियों के शैक्षणिक हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराकर कानून और शिक्षा–दोनों के हितों की रक्षा की जाए।

ज्ञापन के दौरान मेराज चौधरी, नईम अख्तर अंसारी, हिदायतुल्लाह शमसी, अब्दुल अजीम अज्जू, शम्स तबरेज, रिजवान खान, डॉ ओबैदुल्लाह हाश्मी, तनवीर अहमद खान, आतिफ अख्तर, शमसुद्दीन, अनस खान, जावेद अंसारी, नियाज अहमद, खालिद खान, अब्दुस्सलाम, जैनुल्लाह, मोह्म्मद यकूब, नईम आदि लोग शामिल रहें।

सजवाण वंश हितकारिणी कमेटी की बैठक में समाज हित में कार्य करने पर बल दिया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। सजवाण वंश हितकारिणी कमेटी की महालक्ष्मी वैडिंग प्वाइंट में एक बैठक आहूत की गयी। बैठक को सम्बोधित करते हुए समिति अध्यक्ष त्रिलोक सजवाण ने कहा कि सजवाण वंश समाज हित के प्रति कृतसंकल्प है। समिति धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन के माध्यम से संस्कृति संवर्धन एवं संस्कारो के प्रति वचनबद्ध होकर जड़ों से जुड़ने को प्रेरित करती है और एक-दूसरे को करीब लाती है।

बैठक से पूर्व घंटाकरण देवता एवं भगत सजवाण देवता की पूजा की गयी और लोक कल्याण की कामना की गई। बैठक में घंटाकरण मंदिर गजा में हुई चोरी की घटना की निंदा भी की गयी तथा घटना की जाँच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की मांग की गयी।

बैठक में कुलबीर सजवाण, ज्योति सजवाण जगमोहन सजवाण, मूर्ति सिंह सजवाण, हिम्मत सिंह सजवाण, गिरवर सिंह सजवाण, हरेंद्र सजवाण, कर्मवीर सजवाण, सुमन सजवाण, चित्रपाल सजवाण, सचिन सजवाण, अरविंद सजवाण, संदीप सजवाण, जयश्री सुषमा सजवाण, प्रेमलता सजवाण आदि उपस्थित थे।

रिहायशी आवास में निकला विषैला प्राणी, दहशत में आए निवासी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बलदेव। कस्वा बलदेव के रिहायशी इलाके पथवारी गली निवासी शिक्षाविद डॉ जगदीश पाठक के आवास में अचानक एक विषैले प्राणी के निकलने से पूरे मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। घटना रविवार सुबह की है। विषैले और डरावनी प्राणी को देखकर स्थानीय लोग उसे 'विशख परिया' बता रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सबसे पहले पथवारी गली में रहने वाले शिक्षाविद डॉ जगदीश पाठक के घर के कमरे की अलमारी के ऊपर यह प्राणी दिखाई दिया। आकार में करीब 2.5 से 3 फीट लंबा और काले-भूरे रंग का यह जीव बेहद तेज गति से रेंग रहा था। घर की महिलाओं ने शोर मचाया तो आस-पास के लोग इकट्ठा हो गए।

डरावने प्राणी को देखकर उपस्थित बच्चे, महिलाये और बुजुर्ग सहम गए। लोगों का कहना है कि इससे पहले इस तरह का जीव घरों के आस-पास कभी नहीं देखा गया हैं, लेकिन घरों तक पहुंचने की यह पहली घटना है। इस संबंध में आवास स्वामी मदन मोहन पाठक ने बताया कि घर के कमरे से अजीव सी तेज तेज आवाज आ रही थी, कमरे में जाकर ध्यान से देखने पर अलमारी के ऊपर देखने में बहुत खतरनाक लग रहा जीव दिखाई दिया।

जीव को देखकर डरे परिजनों ने गाँव बंदी के रहने वाले सपेरे जितेंद्र को बुलाया और बमुश्किल इस डरावने जीव को पकड़ा। अब बच्चों को भी इस कमरे में भेजने में भी डर लग रहा है। स्थानीय निवासी कन्हैया पांडे, श्याम सुंदर पाठक , सुजीत वर्मा, नवीन वर्मा, सोनू भैया आदि ने नगर पंचायत और वन विभाग से इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाकर ऐसे जीवों को पकड़वाने की मांग की है।

विशेषज्ञों का कहना है कि बरसात के मौसम में इस तरह के विषैले जीव निकल आते हैं। उन्होंने निवासियों से अपील है कि घर के आस-पास साफ-सफाई रखें और रात में टॉर्च लेकर ही बाहर निकलें।

बीस फीट गहरे जहरीले कुएं से गौमाता का रेस्क्यू, गौसेवक सीताराम ने दिखाई बहादुरी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। ग्राम महरौली में लगभग 20 फीट गहरे कुएं में गिरी गौमाता को भक्ति सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट की टीम ने साहसिक अभियान चलाकर सकुशल बाहर निकाला। पुलिस 112 और ग्राम प्रधान की सूचना पर ट्रस्ट की गौ एम्बुलेंस व टीम तत्काल मौके पर पहुंची। ट्रस्ट अध्यक्ष श्रेयस हिन्दू के निर्देशन में गौसेवक सीताराम को सुरक्षा रस्सियों के सहारे कुएं में उतारा गया।

बचाव अभियान के दौरान कुएं में मौजूद जहरीली गैस के कारण सीताराम की तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गए। टीम ने तत्काल उन्हें बाहर निकालकर संभाला, लेकिन होश में आते ही उन्होंने दोबारा अपनी जान की परवाह किए बिना कुएं में उतरकर गौमाता के गले में रस्सी बांधी।

इसके बाद टीम ने संयुक्त प्रयास से गौमाता को सुरक्षित बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए भक्ति सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट ने भविष्य में ऐसे रेस्क्यू अभियानों के लिए इंदौर से विशेष हल्के एल्यूमीनियम ऑक्सीजन सिलेंडर और मास्क मंगवाए हैं, ताकि जहरीली गैस वाले कुओं में उतरने वाले गौसेवकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

रेस्क्यू अभियान में सीताराम, अक्षय, ईशांत, नमन, सौरभ सागर सहित अन्य गौसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कम्युनिटी पुलिसिंग गोष्ठी में बुजुर्गों की सुनी समस्याएं, साइबर अपराध से बचाव की दी जानकारी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

मोहाना/सिद्धार्थनगर। थाना मोहाना की कम्युनिटी पुलिसिंग यूनिट (सीपीयू) ने सोमवार को थाना क्षेत्र के ग्राम मधुबनी टोला अवधापुर में वरिष्ठ नागरिकों एवं ग्रामीणों के साथ गोष्ठी आयोजित कर उनकी समस्याएं सुनीं और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन थानाध्यक्ष जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में किया गया। गोष्ठी के दौरान पुलिस टीम ने करीब 70 वर्षीय बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और अन्य ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और क्षेत्र की स्थिति की जानकारी ली।

ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें वृद्धावस्था पेंशन सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ नियमित रूप से मिल रहा है तथा गांव में आपसी सौहार्द का माहौल है। पुलिस ने ग्रामीणों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने, साइबर अपराधों से सतर्क रहने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करने के लिए जागरूक किया। साथ ही बताया कि कम्युनिटी पुलिसिंग यूनिट बुजुर्गों से नियमित संवाद, दिव्यांगजनों की सहायता, लावारिस बच्चों एवं बेसहारा लोगों की मदद, मेलों में खोया-पाया केंद्र का संचालन तथा नशा और साइबर अपराध के प्रति जागरूकता जैसे कार्य करेगी। गोष्ठी में उपनिरीक्षक विजय प्रताप यादव, हेड कांस्टेबल आत्मानंद नायक, कांस्टेबल विजय, महिला कांस्टेबल अंजू वर्मा एवं महिला कांस्टेबल काजल अग्रहरि मौजूद रहीं।

इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स डिफेंडर्स फाउंडेशन द्वारा इंटरनेशनल डेमोक्रेसी अवार्ड 2026 आयोजित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

न्यु दिल्ली। 18 जुलाई इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स डिफेंडर्स फाउंडेशन 'यू.एस.ए' (आइ.एच.आर.डी.एफ) द्वारा बीती 16 जुलाई को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में 'इंटरनेशनल डेमोक्रेसी अवार्ड 2026' का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशि कुमार ने की। समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना व विशेष अतिथि जस्टिस एस एन शुक्ला, रिटायर्ड जस्टिस एच.पी सिंह जबलपुर हाई कोर्ट, अवर सचिव वित्त मंत्रालय, भारत सरकार सुनील कुमार विशेष तौर पर शामिल हुए। समारोह में जहां देश के कोने-कोने से पहुंचे समाजसेवी व बुद्धि जीवी कार्यक्रम का हिस्सा रहे वहीं पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संघर्ष कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ हरीश शर्मा, नेशनल लीगल एडवाइजर एडवोकेट रमन कुमार, पंजाब चेयरमैन टोडरमल व प्रदेश यूथ चेयरमैन सुखजिंदर सिंह मान को इंटरनेशनल डेमोक्रेसी अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते रेलवे के मुख्य प्रवक्ता भानु प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में शामिल हुए लोगों को कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सी.एस.आर) के बारे में अवेयर किया। उन्होंने बताया कि भारत में सीएसआर नियम भारत दुनिया का पहला ऐसा देश है जिसने कानून बनाकर सीएसआर को अनिवार्य किया है। उन्होंने कहा कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के तहत, जिन कंपनियों का:नेटवर्थ 5 सौ करोड़ या उससे अधिक हो,या टर्नओवर 1 हजार करोड़ या उससे अधिक हो,या शुद्ध लाभ 5 करोड़ या उससे अधिक हो,उन सभी कंपनियों को अपने पिछले तीन वर्षों के औसत शुद्ध लाभ का 2% हिस्सा सामाजिक कल्याण कार्यों पर खर्च करना अनिवार्य होता है। भानु प्रताप सिंह ने बताया कि सीएसआर तहत कंपनियाँ समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाती हैं। इसके जरिए व्यापारिक लाभ कमाने के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण जैसे सामाजिक कल्याण के कार्य करती है। अविनाश राय खन्ना ने लोकतंत्र पर अपना भाषण देते हुए कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है अपनी विशाल जनसंख्या और मतदाताओं की भागीदारी के कारण इसे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र शासन की एक ऐसी प्रणाली है जिसमें देश की सर्वोच्च शक्ति जनता के हाथों में होती है इसमें जनता या तो सीधे तौर पर या अपने द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के माध्यम से कानूनों और नीतियों का निर्माण करती है। अविनाश राय खन्ना ने बताया कि इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स डिफेंडर्स फाउंडेशन 'यूएसए'ऐसी संस्था है जो मानवाधिकारों, शांति और लोकतंत्र को बढ़ावा देने वाले कार्यकताओं को सम्मानित करती है।

पत्रकार रवि कुमार वर्मा ने अक्इए परीक्षा की पास, पहले ही प्रयास में रवि कुमार वर्मा ने की सफलता प्राप्त

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। गोवर्धन नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष स्व राधेश्याम मेंबर के सुपौत्र पत्रकार रवि कुमार वर्मा ने ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन (AIBE) सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। अक्इए परीक्षा पास करने के बाद अब वे अधिवक्ता के रूप में विधिक कार्य करने के लिए आवश्यक पात्रता प्राप्त कर चुके हैं।

रवि कुमार वर्मा ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और निरंतर अध्ययन के बल पर ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन (AIBE) सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। रवि कुमार वर्मा लंबे समय से समाज सेवा एवं जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे सामाजिक समस्याओं को उठाने, जरूरतमंद लोगों की सहायता करने तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद करने के लिए जाने जाते हैं।

रवि कुमार वर्मा पत्रकारिता के क्षेत्र में भी अपनी सक्रियता और जनहित के प्रति समर्पण से एक अलग पहचान बनाई है। वर्षों से वे समाज से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए लोगों की आवाज बनने का प्रयास कर रहे हैं।

सीएमआईएस पोर्टल रैंकिंग पर डीएम की समीक्षा, विकास एवं निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और प्रगति लाने के दिए निर्देश

डीएम ने निर्माण परियोजनाओं में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के दिए गए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में सी0एम0 डैशबोर्ड पर प्रदर्शित प्राप्तांक एवं ग्रेडिंग के आधार पर विकास कार्यों/निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें, गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए इसे कार्यदायी संस्थाएं पूरी गंभीरता से लें। उन्होंने समीक्षा बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारियों व कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन परियोजनाओं के निर्माण कार्य हेतु धनराशि प्राप्त हो गई है उन परियोजनाओं का कार्य निश्चित समयावधि के अंतर्गत कार्यदायी संस्थाएं पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं एवं विभागों द्वारा कराये जा रहें निर्माण कार्यों सहित जनपद में निमार्णाधीन समस्त परियोजनाओं के निर्माण कार्य में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति एवं गुणवत्ता आदि के बारे में सम्बंधित कार्यदायी संस्था एवं विभागीय अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी निर्माण कार्यो की प्रगति को सभी कार्यदायी संस्थाएं/सम्बंधित विभाग सी0एम0आई0एस0 पोर्टल पर फीड कराना सुनिश्चित करे।

बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि जिन कार्यों को पूर्ण कराने में बजट की आवश्यकता हो उसके लिए प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजें जिससे कि कार्य में बाधा न उत्पन्न हो व निर्माण कार्य ससमय पूर्ण कराया जा सके। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया कि जो परियोजनाएं पूर्ण हो गई हैं उनको संबंधित विभाग को हैंड ओवर कर दिया जाए।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी द्वारा सीएम डैशबोर्ड की प्रगति रिपोर्ट में अपेक्षाकृत धीमी प्रगति दशार्ने वाले विभाग व कार्यों से संबंधित विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि कार्यों/योजनाओं में गुणात्मक प्रगति लाते हुए बेहतर परफॉर्मेंस बनाए रखें।

समीक्षा के दौरान जनपद में फैमिली आईडी बनाने की प्रगति की विकासखंडवार समीक्षा की गई। उन्होंने समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्रों/न्याय पंचायतों में जिन परिवारों के पास राशन कार्ड नहीं है उनका शत-प्रतिशत फैमिली आईडी बनाना सुनिश्चित करें। शहरी क्षेत्रों में अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत को फैमिली आईडी बनाने में प्रगति लाने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिए।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने समस्त विभागों एवं कार्यकारी संस्थाओं को निर्देशित किया कि विलंबित परियोजनाओं में गुणात्मक प्रगति लाते हुए पूर्ण कराया जाए।

गंगापुत्र प्रो. जी.डी. अग्रवाल की जयंती पर विद्यार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे के आर्य बाल विद्यालय जूनियर हाई स्कूल में गंगापुत्र एवं प्रसिद्ध पर्यावरणविद् प्रो. जी.डी. अग्रवाल की जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को उनके जीवन, संघर्ष और पर्यावरण संरक्षण के प्रति किए गए योगदान से अवगत कराया गया तथा प्रकृति संरक्षण का संकल्प दिलाया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्या रूपा रानी ने की, जबकि संचालन शिक्षक डॉ. दीपक कुमार ने किया। प्रधानाचार्या ने कहा कि कांधला की पावन धरती पर जन्मे प्रो. जी.डी. अग्रवाल ने अपनी प्रतिभा, कर्मनिष्ठा और दृढ़ संकल्प के बल पर देश-विदेश में विशिष्ट पहचान बनाई। उन्होंने बताया कि प्रो. अग्रवाल का जन्म 20 जुलाई 1932 को हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा यहीं प्राप्त करने के बाद उन्होंने इंजीनियरिंग की उच्च शिक्षा हासिल की और देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में महत्वपूर्ण सेवाएं दीं।डॉ. दीपक कुमार ने कहा कि प्रो. जी.डी. अग्रवाल ने गंगा की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को अपना जीवन समर्पित कर दिया। गंगा की अविरलता और निर्मलता बनाए रखने के लिए उन्होंने कई बार अनशन किया और अंतिम समय तक इस अभियान से जुड़े रहे। 11 अक्टूबर 2018 को उनका निधन हो गया, लेकिन पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनका योगदान आज भी प्रेरणास्रोत बना हुआ है।

मकान गणना नक्शे में हुई त्रुटि सुधार नहीं हुआ तो कांग्रेस पार्टी चुप नहीं बैठेगी: प्रवीण चन्द्र पाण्डेय

विकास खंड सेमरियावां क्षेत्र के पचदेउरा का मामला

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जनपद के खलीलाबाद तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पचदेउरा में मकान गणना के दौरान ग्राम नक्शे में हुई त्रुटि का मामला प्रकाश में आया है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि संदीप कुमार, कांग्रेस न्याय पंचायत अध्यक्ष सेमरियावा मो. रशीद, राम लल्लू, मो. बशीर, कारी अशफाक अहमद, सतवंत कुमार, राकेश कुमार, शहबाज अहमद, शिवधारी यादव, ग्यासुद्दीन ने बताया कि ग्राम पचदेउरा, पोस्ट तिनहरी माफी की वर्ष 2011 की जनसंख्या 1831 है तथा गांव का आधिकारिक कोड संख्या 182480 है। हाल ही में कराई गई मकान गणना के दौरान ऑफलाइन नक्शे में पचदेउरा गांव का कोड संख्या 182436 दर्ज कर दिया गया है, जबकि यह कोड गांव के दक्षिण स्थित पचदेवरी गांव का है। इस त्रुटि के कारण ग्रामवासियों को भविष्य में विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं प्रशासनिक अभिलेखों में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस संबंध में 29 मई 2026 को उप जिलाधिकारी को तथा बाद में 1 जून एवं 16 जून 2026 को भी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि और ग्रामीणों द्वारा प्रशासन को अवगत कराया गया था। बावजूद इसके अब तक त्रुटि के संशोधन अथवा कार्यवाही की प्रगति के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण चंद्र पाण्डेय ने जिला कांग्रेस कार्यालय में एक प्रेस वार्ता में कहा कि ग्राम पचदेउरा के ऑफलाइन नक्शे में दर्ज गलत कोड संख्या को शीघ्र संशोधित कराया जाए, जिससे भविष्य में किसी प्रकार की प्रशासनिक एवं राजस्व संबंधी समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि ग्राम के सही अभिलेखों का संरक्षण और त्रुटिरहित रिकॉर्ड तैयार करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

संगठन को मजबूत करना हम सबकी जिम्मेदारी है: परवेज अख्तर

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। सोमवार को ब्लाक सभागार में ग्रामीण पत्रकार एसोशिएशन खलीलाबाद तहसील ईकाई की मासिक बैठक आयोजित की गयी। इस दौरान मुख्य अतिथि मंडल प्रवक्ता / मीडिया प्रभारी मुहम्मद परवेज अख्तर ने कहा कि संगठन को मजबूत करना हम सबकी जिम्मेदारी है। पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है। पत्रकार ही समाज का आइना होता है इसलिए आप निष्पक्ष पत्रकारिता करें।

मुख्य वक्ता जिला मंत्री मोहम्मद अदनान ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकार साथी अपनी कलम का प्रयोग जनहित तथा दबे-कुचले एवं जनसमस्याओं के लिए करें उन्होंने कहा कि ग्रामीणों पत्रकारों के लिए विभिन्न प्रकार की चुनौतियां हैं जिनका सामना बड़ी निपुणता से करना है उन्होंने कहा कि पत्रकारी साथी पक्षकार न बनें बल्कि आमजन की आवाज बनकर काम करें।जनहित से जुड़ी खबरों पर खास फोकस रखें। बैठक की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष अतीक अहमद और संचालन उबैदुर्रहमान ने किये। इस मौके पर मोहम्मद अहमद, मुहम्मद अहसन, रसल कुमार श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

गैंगस्टर एक्ट के 25 हजार के इनामी वांछित अभियुक्त को खलीलाबाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में जनपद संतकबीरनगर मे अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जयप्रकाश दूबे के नेतृत्व मे उ0नि0 विनोद कुमार यादव, हे0का0 जितेन्द्र कुमार सिंह, का0 अनिल कुमार यादव ,का0 कृष्णनारायण गौड़ ने सोमवार को थाना कोतवाली खलीलाबाद पर मु0अ0सं0 1010/2025 धारा 2(b)(1), 2(b)(xi),3(1) यूपी गैंगेस्टर एक्ट से सम्बन्धित 25,000 रु0 के ईनामियां वांछित अभियुक्त राजप्रताप सिंह पुत्र ओरी सिंह निवासी गड़सरपार थाना कोतवाली खलीलाबाद को मंझरिया तिराहा के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

विदित हो कि दिनाँक 31.10.2025 को अभियुक्त के अपराधिक इतिहास के दृष्टिगत थाना कोतवाली खलीलाबाद पर मु0अ0सं0 1010/2025 धारा 2(b)(1), 2(b)(xi),3(1) यूपी गैंगेस्टर एक्ट अभियोग पंजीकृत किया गया था । उपरोक्त अभियोग में वांछित अभियुक्त के विरुद्ध 25,000 रु0 का ईनाम घोषित था।

प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश दूबे ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 563/2025 धारा 305(बी),317(2) बीएनएस थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर, मु0अ0सं0 574/2025 धारा 305(बी), 317(2) बीएनएस थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर मु0अ0सं0 575/2025 धारा 305(बी), 317(2) बीएनएस थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर, मु0अ0सं0 1010/ 2025 धारा 2(b)(1), 2(b)(xi), 3(1) यूपी गैंगेस्टर एक्ट थाना कोतवाली खलीलाबाद के विरुद्ध दर्ज था।

घर में निकला सांप, युवक ने साहस दिखाकर सुरक्षित जंगल में छोड़ा

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे के एक मकान में सोमवार को अचानक सांप निकल आने से परिवार में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि मकान स्वामी ने सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए सांप को बिना नुकसान पहुंचाए एक डिब्बे में सुरक्षित बंद किया और बाद में उसे जंगल में छोड़ दिया। कस्बा निवासी आंसू ने बताया कि वह परिवार के साथ घर में मौजूद थे। इसी दौरान आंगन में अचानक एक सांप दिखाई दिया। सांप को देखते ही परिवार के लोग घबरा गए और शोर मच गया। इसके बाद उन्होंने हिम्मत दिखाते हुए एक डिब्बे की मदद से सांप को जीवित पकड़ लिया।आंसू ने बताया कि वह जीव-जंतुओं को नुकसान पहुंचाना उचित नहीं मानते। इसलिए सांप को मारने के बजाय उसे जंगल में सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया।उनके इस कदम की आसपास के लोगों ने भी सराहना की।

सिद्धपीठ श्री शनि धाम एवं श्री खाटू श्याम मंदिर का वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बागपत उत्तर प्रदेश। जनपद बागपत के अग्रवाल मंडी टटीरी स्थित सिद्धपीठ श्री शनि धाम एवं श्री खाटू श्याम मंदिर का वार्षिकोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान श्री खाटू श्याम एवं श्री शनिदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया। वार्षिकोत्सव का आयोजन वृंदावन के पूज्य स्वदेश स्वरूप जी महाराज के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ विशेष पूजा-अर्चना से हुई। मंदिर में आचार्य पंडित मनोहर लाल जी निबाली वाले, मुख्य पुजारी अनिल जी तथा अवधेश द्विवेदी जी क्यामपुर वालों ने धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न कराये। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री खाटू श्याम एवं श्री शनिदेव के दर्शन कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। वार्षिकोत्सव का मुख्य आकर्षण भगवान श्री खाटू श्याम जी की भव्य रथ यात्रा रही। सुसज्जित रथ में विराजमान बाबा श्याम की शोभायात्रा टटीरी नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए नृत्य करते चले, जबकि नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया। शोभायात्रा के उपरांत मंदिर परिसर में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें भजनों की मधुर प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर वृंदावन से पधारे स्वदेश जी महाराज, मंदिर अध्यक्ष प्रवीण गोयल, सचिव अंकुर पंडित, समाजसेवी संजीव शर्मा, प्रमोद चेयरमैन, पंडित मनोहर लाल, पुजारी अनिल, उपाध्यक्ष विनोद गोयल, कोषाध्यक्ष नितिन मानव, राजीव गोयल, मास्टर हरिओम, राजीव गोयल सभासद, मनोज मित्तल, मितलेश राजपूत, बागपत से नंदलाल डोगरा, लवी जैन, विनोद गुप्ता, अमित अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एआईएमआईएम ने खेला बड़ा दांव, सेराज अहमद बने संत कबीरनगर के जिला अध्यक्ष

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिले की राजनीति में एक अहम बदलाव के तहत ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) ने सेराज अहमद को जिले का नया जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली द्वारा जारी मनोनयन पत्र के साथ संगठन ने उन पर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी नेतृत्व ने विश्वास जताया है कि सेराज अहमद अपने अनुभव, सक्रियता और संगठनात्मक क्षमता के बल पर जिले में पार्टी को नई मजबूती देंगे तथा अधिक से अधिक लोगों को पार्टी की विचारधारा से जोड़ने का कार्य करेंगे। इस नियुक्ति के बाद कार्यकताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। राजनीतिक गलियारों में भी इस फैसले को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं।

मूसलाधार बारिश में भी नहीं डिगा भाजपाइयों का उत्साह, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा का प्रिंस पंडित के नेतृत्व में ऐतिहासिक स्वागत

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। सोमवार सुबह से हो रही मूसलाधार बारिश और शहर में जगह-जगह जलभराव के बावजूद भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा के प्रथम हापुड़ आगमन पर कार्यकताओं का उत्साह चरम पर रहा। खराब मौसम भी भाजपाइयों के जोश को कम नहीं कर सका और पूरा क्षेत्र 'जय श्रीराम' तथा 'युवा मोर्चा जिंदाबाद' के नारों से गूंज उठा। जैसे ही डॉ. रोहित मिश्रा का काफिला हापुड़-मेरठ तिराहे पर पहुंचा, वहां पहले से ही भारी बारिश में डटे युवा नेता प्रिंस पंडित और उनके सैकड़ों समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच प्रिंस पंडित ने प्रदेश अध्यक्ष को विशाल पुष्पहार पहनाया और चांदी का मुकुट पहनाकर उनका भव्य अभिनंदन किया।इसके बाद काफिला बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पहुंचा, जहां डॉ. रोहित मिश्रा ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब के आदर्श और संविधान की भावना समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान का मार्ग प्रशस्त करती है तथा युवा पीढ़ी को उनके विचारों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।युवाओं को संबोधित करते हुए डॉ. रोहित मिश्रा ने कहा कि हापुड़ के कार्यकताओं ने बारिश के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर यह सिद्ध कर दिया है कि संगठन के प्रति समर्पण किसी भी परिस्थिति से बड़ा होता है। यही युवा शक्ति भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है।कार्यक्रम के मुख्य आयोजक युवा नेता प्रिंस पंडित ने कहा कि युवा मोर्चा केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य पूरी निष्ठा से करेगा। उन्होंने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत करने और युवाओं को राष्ट्रहित के कार्यों से जोड़ने का अभियान लगातार जारी रहेगा।प्रिंस पंडित लंबे समय से सामाजिक और जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वे जरूरतमंद लोगों की सहायता, युवाओं को शिक्षा, खेल एवं सामाजिक जागरूकता से जोड़ने तथा विभिन्न सामाजिक अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए क्षेत्र में अपनी अलग पहचान रखते हैं। समाज के हर वर्ग के लोगों से उनका निरंतर संवाद और सहयोगात्मक व्यवहार उन्हें युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाता है। उनका उद्देश्य समाज सेवा, संगठन की मजबूती और युवाओं को सकारात्मक दिशा देकर राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है।

इस अवसर पर प्रदेश मंत्री अरुण यादव, जिला उपाध्यक्ष मोहित पाल, राहुल पंडित, दीपक, बिट्टू जाटव, कपिल एसएम, अशोक बबली, पवन गर्ग, ओसमा चौधरी, सौदान सिंह सहित सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा समाज में विभाजन की राजनीति कर रही है : महम्मूद अली खान

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे के बाईपास मार्ग स्थित पूर्व जिला अध्यक्ष जाहिद यामीन के आवास पर सोमवार को कांग्रेस कार्यकताओं ने बैठक आयोजित की। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने तथा कांग्रेस नेता राहुल गांधी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस के नेशनल कोऑर्डिनेटर एवं अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश प्रभारी महम्मूद अली खान ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार गरीबों, मजदूरों और किसानों के हितों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा समाज में विभाजन की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार अंग्रेजों ने फूट डालो और राज करो की नीति अपनाई थी, उसी तर्ज पर भाजपा भी कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकताओं से अधिक से अधिक लोगों को कांग्रेस से जोड़ने और राहुल गांधी की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में संगठन के विस्तार, बूथ स्तर तक कार्यकताओं को सक्रिय करने तथा आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करने पर बल दिया। इस अवसर पर डॉ. जफरुल्लाह खान (पीसीसी सदस्य, उत्तर प्रदेश), रियाज उल्लाह खान (प्रदेश महासचिव), मेहराजुल हसन (लीगल इंचार्ज, पश्चिम उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक विभाग), तौफीक मकरानी (प्रवक्ता), जाहिद यामीन (पूर्व जिला अध्यक्ष, अहमदुल्लाह खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ऊंचागांव में भाकियू अराजनैतिक की पंचायत, सैकड़ों नए कार्यकर्ता संगठन से जुड़े

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) द्वारा ऊंचागांव में किसान पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत में वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी मांगेराम त्यागी मुख्य अतिथि तथा जिलाध्यक्ष ठाकुर शैलेंद्र आर्य विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने दोनों पदाधिकारियों का फूल-मालाओं एवं नोटों की माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।

पंचायत के दौरान वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी मांगेराम त्यागी के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर ठाकुर प्रदीप गौड़ को जिला उपाध्यक्ष तथा ठाकुर ओमपाल सिंह को ब्लॉक ऊंचागांव का संरक्षक नियुक्त किया गया। बैठक में किसानों ने ब्लॉक ऊंचागांव की सहकारी समिति से जुड़ी विभिन्न समस्याएं वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के समक्ष रखीं। चौधरी मांगेराम त्यागी ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने के लिए संबंधित अधिकारियों से वार्ता की जाएगी।

पंचायत को संबोधित करते हुए चौधरी मांगेराम त्यागी ने कहा कि किसानों का किसी भी स्तर पर शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो संगठन भविष्य में अपने आंदोलन को और तेज करेगा।

जिलाध्यक्ष ठाकुर शैलेंद्र आर्य ने पंचायत में पहुंचे किसानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन किसानों के हितों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ता रहेगा। उन्होंने सभी किसानों और कार्यकताओं से 1 अगस्त को तहसील स्याना में आयोजित होने वाली किसान पंचायत में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। कार्यक्रम में राजवीर सिंह, प्रमोद शर्मा, प्रवीण कुमार, नवीन कुमार, राजकुमार सिंह, वीर सिंह, विक्रम सिंह, पंकज सिंह राणा, राजेश राणा, प्रशांत राणा।

अजीत राघव, गिरीश सैनी, सुनील सैनी, रिंकू सैनी, धर्म सिंह, राजीव सिंह, चंद्रपाल सिंह, मिहिर सिंह, यज्ञदत्त शर्मा, देवेंद्र सिंह, अरुण कुमार, महेश शर्मा, सोमेश शर्मा, फतेहचंद शर्मा, टीकाराम कश्यप, योगेश शर्मा, यतेंद्र शर्मा, सुरजीत सिंह, डॉ. ओमपाल सिंह, कुलदीप सिंह, विक्रम जोटिया, धीरज सिंह, मांगेराम, पप्पू मास्टर, जोगिंदर सिंह, विनोद कुमार, आदिल खान, आस मोहम्मद, जावेद, सलीम, इमरान, जुनैद सहित सैकड़ों लोगों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की।

प्रयागराज प्रमिला लायंस क्लब द्वारा रामायणा सिटी, लखनऊ में 1100 वृक्षों का वृक्षारोपण

वेलकम इंडिया संवाददाता

लखनऊ। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए लायंस क्लब प्रयागराज प्रमिला, ऊ२३१ृ३ 321 ए की ओर से 20 जुलाई 2026 को लखनऊ स्थित रामायणा सिटी टाउनशिप में 1100 वृक्षों का वृक्षारोपण किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब की चार्टर प्रेसिडेंट टखऋलायन तृप्ति पनवार जी के मार्गदर्शन में हुआ। इस खास अवसर पर अध्यक्ष लायन आयुषी अग्रवाल एवं बोर्ड मेंबर लायन मीना अरोड़ा जी विशेष रूप से प्रयागराज से लखनऊ पधारकर इस कार्य में शामिल हुईं। कार्यक्रम के दौरान सभी लायंस मेंबर्स ने अपने हाथों से एक-एक पौधा लगाकर इस मुहिम की शुरूआत की। क्लब द्वारा जानकारी दी गई कि पूरे महीने में रामायणा सिटी में कुल 1100 पेड़ लगाए जाएंगे, जिसमें फलदार, फूलदार और छायादार वृक्ष शामिल होंगे। इस कार्य की सूचना पहले से ही क्लब की एनवायरमेंटल चेयरपर्सन लायन माला मिश्रा जी को दे दी गई थी।

चरौरा नहर पुल पर बंदरों का आतंक, राहगीरों पर कर रहे हमला

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी/अहार। चरौरा नहर पुल पर बंदरों की संख्या अधिक होने के कारण राहगीरों का निकलना भी दूभर हो गया है। दिनभर इनका झुंड घूमता रहता है। अहार जहांगीराबाद मार्ग पर हजारों यात्री रोजाना गुजरते हैं। बंदरों का झुंड अचानक राहगीरों पर अचानक टूट पड़ता है जिसके कारण राहगीर चोटिल हो रहे हैं।कई बार तो ये बंदरों के झुंड राहगीरों पर हमला कर खाने के सामान को छीन लेते हैं। ये बदर किसानों की फसल को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बंदरों को पकडकर किसी दूर स्थान पर छोडा जाय,जिससे किसानों को आर्थिक हानि से बचाया जा सके।यदि समय रहते अभियान चलाकर इनको ना हटाया गया तो कोई बढी घटना घट सकती है। फिलहाल नहर पुल से गुजरने वाले राहगीरों की जान जोखिम है रहती है। अभी तक वन विभाग के अधिकारियों ने इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान पर मिसेज एशिया विजयता सचदेवा को मिला 'काशी नवरत्न अलंकरण' समारोह

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। काशी की प्रतिष्ठित सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संस्था गुरु कृपा फाउंडेशन द्वारा आयोजित वाराणसी के बाल विश्व विद्यालय, प्रह्लाद घाट में आयोजित किया गया हैं। भव्य सम्मान समारोह में समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मिसेज एशिया विजयता सचदेवा को प्रतिष्ठित 'काशी नवरत्न अलंकरण' सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि भोला जी एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने उन्हें अंगवस्त्र, स्मृति-चिह्न एवं सम्मान-पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि विजयता सचदेवा लंबे समय से समाजसेवा, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा जागरूकता तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उनका सामाजिक योगदान अनेक लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने समाज में सेवा, संवेदनशीलता और मानवता की भावना को सशक्त करने का कार्य किया है।

गुरु कृपा फाउंडेशन ने उनके समर्पण, सेवा-भाव और जनकल्याण के प्रति निष्ठा को देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान से अलंकृत किया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली अन्य विशिष्ट हस्तियों को भी सम्मानित किया गया। मिसेज एशिया विजयता सचदेवा ने कहा कि सम्मान प्राप्त करने के बाद मिसेज एशिया विजयता सचदेवा ने गुरु कृपा फाउंडेशन, मुख्य अतिथि भोला जी एवं सभी आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'काशी नवरत्न अलंकरण सम्मान मेरे लिए केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारियों को और अधिक समर्पण के साथ निभाने की प्रेरणा है। यह सम्मान उन सभी लोगों को समर्पित है जिन्होंने मेरे सामाजिक कार्यों में हमेशा मेरा साथ और विश्वास दिया। मैं भविष्य में भी महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, समाजसेवा और जनकल्याण के कार्यों में पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निरंतर कार्य करती रहूँगी। मेरा प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता और सकारात्मक बदलाव की रोशनी पहुँच सके।'

इस सम्मान समारोह ने काशी की सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपरा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के साथ समाजहित में कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित कर उन्हें आगे बढ़ने की नई प्रेरणा प्रदान की।

मां ब्लड सेंटर परिवार की और से स्वास्थ मंत्री निशांत कुमार किया सम्मानित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार में स्वास्थ मंत्री पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे का सोमवार को जदयू पार्टी विधायक कार्यकताओं ने बड़ी धूमधाम से उनका जन्मदिन मनाया गया। जन्मदिन के इस खास मौके पर स्वास्थ मंत्री निशांत कुमार मां वैष्णों देवी सेवा समिति एंव मां ब्लड सेंटर परिवार की और से मां वैष्णो देवी की पावन तस्वीर एवं प्रसाद भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मां ब्लड सेंटर के संस्थापक मुकेश कुमार भी मौजूद रहे। मां ब्लड सेंटर पटना के जाने माने ब्लड सेंटर है यहां बिहार के राजपाल मुख्यमंत्री मंत्री डीजीपी बड़े से बड़े पद पर कअर क्ढर आ चुके है और मां ब्लड सेंटर के कार्य को देखकर तारीफ कर चुके है।

नवागत एसडीएम कुमार गौरव ने संभाला टांडा तहसील का कार्यभार

अधिवक्ताओं के साथ की परिचय बैठक

वेलकम इंडिया ब्यूरो

टांडा (रामपुर)। नवागत उपजिलाधिकारी कुमार गौरव ने सोमवार को टांडा तहसील पहुंचकर विधिवत रूप से कार्यभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालते ही उन्होंने तहसील सभागार में अधिवक्ताओं के साथ परिचय एवं संवाद बैठक आयोजित की और न्यायिक व प्रशासनिक व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में एसडीएम कुमार गौरव ने कहा कि बार और बेंच न्याय व्यवस्था की दो मजबूत कड़ियां हैं। निष्पक्ष, प्रभावी और तेज न्याय व्यवस्था के लिए दोनों के बीच बेहतर समन्वय और सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने अधिवक्ताओं को भरोसा दिलाया कि जनहित से जुड़े सभी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। अधिवक्ताओं ने बैठक में खतौनियों में अंश निर्धारण की लंबित पड़ी समस्या और दाखिल-खारिज के मामलों में हो रही अनावश्यक देरी की समस्या को प्रमुखता से उठाया। एसडीएम कुमार गौरव ने इन समस्याओं को गंभीरता से सुना और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर तहसीलदार निश्चय कुमार सहित बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सतपाल सिंह चौहान, महासचिव प्रथी सिंह सैनी, अनिल कुमार भारद्वाज, जफर उद्दीन खान, सोमवीर सिंह, प्रेम सिंह, जय प्रकाश सेनी, समर सिंह चौहान, खुर्शीद अहमद, प्रेमपाल सिंह, मुबश्शर अली, मोहम्मद नाजिम, अफजाल अहमद, हरिराम सिंह, प्रमोद कुमार, हरस्वरूप सिंह, भोला सिंह, जसपाल सिंह और विजेंद्र सिंह आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

जनता दरबार में 13 शिकायतें दर्ज, एडीएम ने अधिकांश मामलों का मौके पर कराया समाधान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बागेश्वर। जिलाधिकारी अपूर्वा पांडे के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी एन एस नबियाल की अध्यक्षता में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित हुआ।मौसम के अलर्ट के बाद भी जिले के विभिन्न क्षेत्रों से अपनी समस्याओं का ज्ञापन लेकर फरियादी जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे।जहां अपर जिलाधिकारी नबियाल ने सभी फरियादियों की समस्या को गम्भीरता से सुना और समस्याओ के निराकरण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

वही जनता दरबार मे बैठक में लोनीवि विभाग से किसी भी जबाबदेह अधिकारी के नही पहुंचने पर अपर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए उनसे स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए। जनता दरबार में बागेश्वर कपकोट कांडा, काफलीगैर गरुड़, कांडा क्षेत्र से विभिन्न जनसमस्याएं आई। वही आबकारी, ऊर्जा, पुलिस, सहित विभिन्न विभागों की सीएम हेल्पलाइन में आई शिकायतों की विस्तृत समीक्षा की गई। जनसुनवाई में मुख्य रूप से सड़क, विद्युत, पेयजल एवं मुआवजा भुगतान से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। अपर जिलाधिकारी ने मिखिला-खलपट्टा सड़क पर बने गड्ढों को भरने, नालियों की सफाई एवं सड़क मुआवजा वितरण संबंधी प्रकरणों के शीघ्र समाधान के लिए ब्रिडकुल को निर्देशित किया।

वहीं ईड़ा-उजेड़ा-भेरू चौबटा सड़क से जुड़े विवाद के संबंध में लोक निर्माण विभाग, कपकोट को ग्राम प्रधान के साथ समन्वय स्थापित कर विवाद का निस्तारण करने के साथ ही मुआवजा वितरण की कार्रवाई पूर्ण करने के निर्देश दिए। लाहूर में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद के संबंध में प्राप्त शिकायत पर अपर जिलाधिकारी ने बाल विकास विभाग को दो सप्ताह के भीतर नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी ने सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों की भी समीक्षा की।

उन्होंने 36 दिनों से लंबित शिकायतों का दो दिनों के भीतर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए सभी अधिकारियों को शिकायतकताओं से व्यक्तिगत रूप से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का संतोषजनक समाधान करने को कहा। जबकि अधिकतर समस्याओ का समय से निराकरण नही होने पर एडीएम नबियाल ने सभी अधिकारियों को दो दिन में अवशेष शिकायतों का निस्तारण कर जिलाधिकारी कार्यालय को भी सूचना भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

वहीं कठानी निवासी प्रताप सिंह मेहता ने स्ततेश्वर से कठानी तक पीएमजीएसवाई विभाग द्वारा काटी गई सड़क में सत्तेश्वर स्थित दुकानों का1मुआवजा नही देने,सर्वे अनुसार जांच कराकर सड़क निर्माण में पुश्तेनी गौशाला को सड़क निर्माण में ध्वस्त करने के बाद सड़क के मलुवे से गौशाला नष्ट करने से हुए नुकसान का मुआवजा नही देने और कार्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर होने की शिकायत की।

जिस पर अपर जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को तत्काल मुआवजा देने और आवश्यक सहयोग हेतु उपजिलाधिकारी को मामले में जांच कर पीएमजीएसवाई को मुआवजा देने के निर्देश दिए।साथ ही जनता दरबार मे पेयजल, विजली स्वास्थ सड़क सम्बन्धी समस्याएं दर्ज हुई।इस दौरान उपजिलाधिकारी ,प्रियंका रानी, डीडीओ संगीता आर्या, ग्रामीण निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता रमेश चंद्रा, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

कौशल विकास आत्मनिर्भरता की सबसे मजबूत आधारशिला-सीडीओ

वेलकम इंडिया ब्यूरो

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 राममोहन मीना ने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), प्रतापगढ़ का भ्रमण कर संस्थान में संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से संवाद किया, प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया, नवीन प्रशिक्षण बैच का शुभारंभ किया तथा प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। भ्रमण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने सर्वप्रथम संस्थान में संचालित 38 दिवसीय असिस्टेंट बुक कीपर एवं 13 दिवसीय कृषि उद्यमी आवासीय प्रशिक्षण बैचों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता, भोजन, आवास एवं अन्य उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की तथा प्रशिक्षणार्थियों को अनुशासन एवं समर्पण के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात मुख्य विकास अधिकारी ने एसी एवं फ्रिज रिपेयर के नवीन प्रशिक्षण बैच का दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी एवं कौशल आधारित प्रशिक्षण की अत्यधिक मांग है तथा एसी एवं फ्रिज रिपेयर जैसे ट्रेड युवाओं के लिए कम समय में बेहतर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हैं। इस अवसर पर उन्होने कहा कि कौशल विकास आत्मनिर्भरता की सबसे मजबूत आधारशिला है। उन्होंने कहा कि आरसेटी जैसे संस्थान युवाओं एवं महिलाओं को केवल प्रशिक्षण ही नहीं देते, बल्कि उन्हें स्वरोजगार एवं उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि आज प्राप्त किया जा रहा प्रशिक्षण भविष्य में उनकी आर्थिक उन्नति एवं सम्मानजनक आजीविका का मजबूत आधार बनेगा। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत वे अपनी आवश्यकता के अनुरूप मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान सहित विभिन्न बैंक ऋण योजनाओं का लाभ लेकर अपना स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि लाभार्थियों की सुविधा के लिए समय-समय पर आरसेटी परिसर में सीएम युवा योजना का पंजीकरण शिविर एवं सहायता डेस्क का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान वूमेन टेलरिंग बैच की प्रशिक्षण पूर्ण कर चुकी 32 महिला प्रशिक्षणार्थियों को मुख्य विकास अधिकारी ने प्रमाण-पत्र वितरित किए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। महिला प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यदि पारंपरिक सिलाई-कढ़ाई के कौशल को आधुनिक बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जाए तो रोजगार के असीमित अवसर उपलब्ध है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि विश्वभर में उपयोग होने वाले अनेक उत्पाद कुशल हस्तशिल्पियों द्वारा तैयार किए जाते हैं। इसलिए प्रशिक्षार्थियों को अपने हुनर को समय की मांग के अनुसार निरंतर विकसित करना चाहिए। भ्रमण के उपरांत मुख्य विकास अधिकारी ने आरसेटी परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा सभी प्रशिक्षार्थियों एवं अधिकारियों के साथ सामूहिक छायाचित्र भी खिंचवाया। कार्यक्रम का स्वागत आरसेटी निदेशक रवि रंजन ने किया। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) नीरज सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान अर्जित कौशल तभी सार्थक होगा जब प्रशिक्षार्थी पूरे समर्पण के साथ सीखकर उसे स्वरोजगार में परिवर्तित करेंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि बैंकिंग प्रणाली प्रत्येक पात्र प्रशिक्षार्थी को स्वरोजगार स्थापित करने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन एवं ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी का संस्थान आगमन एवं प्रशिक्षार्थियों का मार्गदर्शन करने के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा मुख्य शाखा के मुख्य प्रबंधक श्री नारायण, बैंक ऑफ बड़ौदा महुली शाखा के मुख्य प्रबंधक अविनाश, आरसेटी के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षार्थी उपस्थित रहे।

परिवार परामर्श केंद्र की पहल से एक दंपति का टूटा रिश्ता जुड़ा, काउंसलिंग के बाद साथ रहने पर बनी सहमति

वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई/बुलंदशहर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में वैवाहिक विवादों के त्वरित निस्तारण के लिए महिला सैल/परिवार परामर्श केंद्र द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को डिबाई स्थित परिवार परामर्श केंद्र में एक वैवाहिक विवाद के मामले की काउंसलिंग की गई। काउंसलिंग के दौरान पति-पत्नी एवं दोनों पक्षों के परिजन उपस्थित रहे। प्रभारी परिवार परामर्श केंद्र डिबाई ने दोनों पक्षों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समझाइश दी। इसके परिणामस्वरूप दोनों पक्ष आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने और पुनः साथ रहने के लिए राजी हो गए। समझौते के बाद पति-पत्नी ने एक-दूसरे पर विश्वास जताते हुए नए सिरे से जीवन की शुरूआत करने का संकल्प लिया। महिला सैल एवं काउंसलरों ने दंपति को नवजीवन की शुभकामनाएं देते हुए सलाह दी कि वे पुरानी बातों को भूलकर आपसी प्रेम, विश्वास और सम्मान के साथ अपना वैवाहिक जीवन व्यतीत करें।

आईपीईसी और वाधवानी फाउंडेशन ने एमएसएमई के लिए 'गो-टू-मार्केट एक्सीलेंस' ग्रोथ वर्कशॉप का किया सफल आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपीईसी) के आईपीईसी टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर (आईपीईसी-टीबीआई) फाउंडेशन ने वाधवानी फाउंडेशन के सहयोग से 'गो-टू-मार्केट एक्सीलेंस : स्केलिंग एसएमईज इन द डिजिटल एरा' विषय पर एक दिवसीय ग्रोथ वर्कशॉप का सफल आयोजन किया। कार्यशाला में लगभग 50 एमएसएमई उद्यमियों, उद्योग विशेषज्ञों एवं विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को डिजिटल युग में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिलाने, नवीन व्यावसायिक रणनीतियों से परिचित कराने तथा उद्योग-जगत और शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को सुदृढ़ करना था।

कार्यक्रम में साहिबाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एसआईए) के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के उप निदेशक सुनील कुमार रहे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार एमएसएमई क्षेत्र को नवाचार, डिजिटल परिवर्तन एवं तकनीक आधारित समाधानों के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने उद्यमियों से सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने, उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने तथा डिजिटल तकनीकों के माध्यम से उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मकता एवं सतत विकास को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में साहिबाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश मित्तल, महासचिव मुकेश गुप्ता तथा गाजियाबाद आयरन मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं टेक्निकल इंस्टीट्यूशंस फाउंडेशन ऑफ उत्तर प्रदेश के महासचिव डॉ. अतुल कुमार जैन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने एमएसएमई उद्यमियों को बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाने, व्यवसाय का विस्तार करने तथा एआई आधारित तकनीकों का प्रभावी उपयोग कर बेहतर व्यावसायिक परिणाम प्राप्त करने के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए। आईपीईसी के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने कहा कि संस्थान नवाचार, उद्यमिता एवं उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में आईपीईसी के डीन एकेडमिक्स प्रो. (डॉ.) अमित जैन, आईपीईसी-टीबीआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) साजिद रजा तथा सपना शर्मा भी उपस्थित रहे और उद्योग प्रतिनिधियों से संवाद किया। कार्यशाला का समापन एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ, जिसमें उद्यमियों एवं उद्योग विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए, व्यवसाय से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा की तथा विशेषज्ञों से व्यावहारिक समाधान प्राप्त किए। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को ज्ञानवर्धक, उपयोगी एवं नेटवर्किंग के दृष्टिकोण से अत्यंत लाभकारी बताया।

गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज में शोधार्थी का वायवा सम्पन्न

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स स्नातकोत्तर महाविद्यालय मोदीनगर में इतिहास विभाग में शोधार्थी मनोज कुमार राय का पी एच डी वायवा मुण्डा आदिवासी महिलाओं का झारखण्ड से स्थानांतरण, एक ऐतिहासिक अध्ययन विषय पर शोध निर्देशिका सेवानिवृत्त प्रवक्ता अरूणा शर्मा के मार्गदर्शन मे किया गया। बाह्य परीक्षक के लिए डॉ रेनू शुक्ला इतिहास विभाग, कन्या गुरूकुल कैंपस सेवक आश्रम रोड देहरादून को विश्वविद्यालय के द्वारा नियुक्त किया गया।

कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. नुतन सिंह के दिशा-निर्देशन में आज का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें इतिहास विभागाध्यक्षा रश्मि चौधरी के साथ सभी उपस्थित स्टाफ ने शोधार्थी मनोज को शुभकामनाऐं सम्पेषित की।

सेवा योजना क्लब के स्वयंसेवकों ने किया वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारत सरकार द्वारा संचालित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत सेवा योजना क्लब, जनपद गाजियाबाद के स्वयंसेवकों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय परिसर में व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना, हरित वातावरण का निर्माण करना तथा युवाओं में प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया तथा उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर सेवा योजना क्लब के अध्यक्ष डॉ. राज कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है।

कार्यक्रम में सेवा योजना क्लब के उपाध्यक्ष अंकित ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि 'वृक्षारोपण के साथ हमारी जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती, बल्कि वहीं से हमारी वास्तविक जिम्मेदारी प्रारंभ होती है।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर वंदना शर्मा ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान केवल वृक्षारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि मातृ सम्मान, प्रकृति संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त संदेश है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी यदि अपने जीवन में कम से कम एक पौधे का संरक्षण करने का संकल्प ले, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा सकारात्मक परिवर्तन संभव है। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं सेवा योजना क्लब की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए सभी से पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारियों, सेवा योजना क्लब के पदाधिकारियों तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं स्वयंसेवकों की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

नीव द स्कूल में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ सुंदरकांड पाठ का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। नीव द स्कूल में आज विद्यालय परिसर में पावन सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन श्रद्धा, आस्था एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक अमित अग्रवाल, डायरेक्टर जनरल डॉ. अपर्णा शर्मा, वाइस प्रिंसिपल रोमी शर्मा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ, अभिभावक एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात हनुमान स्तुति व पूजा अर्चना के साथ हुआ। विद्वान आचार्यों द्वारा संगीतमय एवं भावपूर्ण सुंदरकांड पाठ किया गया, जिसकी मधुर चौपाइयों एवं भजनों से पूरा विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया।

विद्यालय प्रबंधक अमित अग्रवाल ने कहा कि सुंदरकांड केवल धार्मिक ग्रंथ का एक भाग नहीं, बल्कि साहस, समर्पण, सेवा, विश्वास एवं सकारात्मक सोच का प्रेरणास्त्रोत है। कार्यक्रम के उपरांत सभी विद्यार्थियों के लिए प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने विश्व शांति, राष्ट्र की उन्नति, सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य तथा समस्त मानव समाज के सुख, समृद्धि एवं मंगल की कामना करते हुए श्री हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

एन एस एस द्वारा भूजल संरक्षण एंव जल संवर्धन विषय पर किया जागरूक

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय सेवा योजना एम.एम. कॉलेज, मोदीनगर द्वारा 'भूजल सप्ताह' के अंतर्गत भूजल संरक्षण एवं जल संवर्धन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती पूजन के साथ हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. सुजाता ने 'भूजल संरक्षण : वर्तमान आवश्यकता एवं भविष्य की जिम्मेदारी' विषय पर व्याख्यान देते हुए भूजल स्तर में निरंतर हो रही गिरावट, वर्षा जल संचयन की आवश्यकता तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में जल बचाने की आदतें अपनाने तथा समाज को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया।

व्याख्यानों के उपरांत सभी स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित शिक्षकों को 'जल संरक्षण शपथ' दिलाई गई, जिसमें सभी ने जल की प्रत्येक बूंद को बचाने, जल का दुरुपयोग रोकने तथा समाज में जल संरक्षण का संदेश फैलाने का संकल्प लिया।

इसके बाद जल संरक्षण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों से होकर निकाली गई। जिसमें स्वयंसेवकों ने 'जल है तो कल है', 'भूजल बचाएँ, भविष्य बचाएँ', 'जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प' जैसे प्रेरणादायक नारों के माध्यम से आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. अमर सिंह कश्यप, डॉ. पूजा त्यागी एवं डॉ. नीतू कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का प्रभावशाली एवं सुव्यवस्थित मंच संचालन डॉ. कोमल गुप्ता द्वारा किया गया।

जिन्होंने कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों का सफल संचालन करते हुए उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी एवं बड़ी संख्या में NSS स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा जल संरक्षण को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

ऑनलाइन सलाह पर आंख मूंदकर भरोसा न करें, सही वित्तीय निर्णय से ही सुरक्षित होगा आने वाली पीढियों का भविष्य

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। बदलते आर्थिक परिवेश, बढ़ती महंगाई और स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर शिक्षा तक लगातार बढ़ती लागत ने आज प्रत्येक परिवार के सामने नई वित्तीय चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ऐसे समय में केवल अच्छी आय अर्जित करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस आय की सुरक्षा करना और परिवार के भविष्य को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। वित्तीय विशेषज्ञ एवं फाइनेंशियल कंसलटेंट रविंद्र तिवारी का मानना है कि आज हर व्यक्ति को अपनी वित्तीय योजना इस प्रकार तैयार करनी चाहिए कि किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में परिवार की आर्थिक स्थिरता प्रभावित न हो। रविंद्र तिवारी कहते हैं कि अधिकांश लोग जीवनभर मेहनत करके अच्छी आय तो अर्जित कर लेते हैं, लेकिन वित्तीय सुरक्षा की ठोस योजना न होने के कारण एक बड़ी बीमारी, दुर्घटना या किसी अप्रत्याशित घटना के बाद वर्षों की बचत कुछ ही समय में समाप्त हो जाती है। इसलिए आज के समय में प्रत्येक परिवार के पास तीन मजबूत वित्तीय सुरक्षा स्तंभ अवश्य होने चाहिए-पर्याप्त हेल्थ इंश्योरेंस, पर्याप्त टर्म इंश्योरेंस और भविष्य के लक्ष्यों के लिए नियमित एवं अनुशासित दीर्घकालिक निवेश। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियां कभी भी बिना सूचना के सामने आ सकती हैं। निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च लगातार बढ़ रहा है और कई बार एक गंभीर बीमारी पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति को कमजोर कर देती है। ऐसे में पर्याप्त हेल्थ इंश्योरेंस केवल मेडिकल खर्च का साधन नहीं,

बल्कि परिवार की वर्षों की मेहनत, बचत और निवेश की सुरक्षा का सबसे प्रभावी माध्यम है। यदि परिवार के पास पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा होता है तो इलाज के दौरान आर्थिक दबाव काफी हद तक कम हो जाता है और भविष्य की योजनाएं प्रभावित नहीं होतीं। रविंद्र तिवारी के अनुसार, परिवार के कमाने वाले सदस्य के लिए पर्याप्त टर्म इंश्योरेंस भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जीवन अनिश्चितताओं से भरा है और यदि किसी कारणवश परिवार के मुख्य कमाने वाले व्यक्ति के साथ कोई अप्रत्याशित घटना घट जाती है, तो टर्म इंश्योरेंस परिवार को आर्थिक संबल प्रदान करता है। इससे बच्चों की पढ़ाई, गृह ऋण, घरेलू खर्च और अन्य वित्तीय जिम्मेदारियों को पूरा करने में सहायता मिलती है। उनके अनुसार, टर्म इंश्योरेंस किसी निवेश का विकल्प नहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक सुरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने यह भी कहा कि आज शिक्षा की लागत तेजी से बढ़ रही है। उच्च शिक्षा, प्रोफेशनल कोर्स और विदेश में पढ़ाई जैसे विकल्प पहले की तुलना में कहीं अधिक महंगे हो चुके हैं। इसलिए माता-पिता को बच्चों के भविष्य के लिए समय रहते व्यवस्थित निवेश शुरू कर देना चाहिए। म्यूचुअल फंड, एसआईपी (स्ढ्ढक्क) और यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (रुढ्ढक्क) जैसे दीर्घकालिक निवेश विकल्प, यदि सही योजना और अनुशासन के साथ अपनाए जाएं, तो भविष्य के बड़े वित्तीय लक्ष्यों को आसानी से पूरा करने में मदद कर सकते हैं। रविंद्र तिवारी ने इस धारणा को भी गलत बताया कि केवल निजी क्षेत्र में कार्यरत लोगों को ही वित्तीय सुरक्षा की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि आज बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी भी अतिरिक्त हेल्थ इंश्योरेंस, टर्म इंश्योरेंस और सुव्यवस्थित निवेश योजनाओं को अपना रहे हैं। बदलती जीवनशैली, महंगाई और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए केवल सरकारी सुविधाओं पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सुरक्षित परिवार के लिए अतिरिक्त वित्तीय योजना बनाना समय की आवश्यकता बन चुकी है। उन्होंने डिजिटल युग में बढ़ रही ऑनलाइन वित्तीय सलाह और निवेश प्लेटफॉर्मों को लेकर भी लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इंटरनेट पर उपलब्ध हर जानकारी सभी लोगों के लिए उपयुक्त नहीं होती। कई बार सोशल मीडिया, फर्जी वेबसाइटों और अनधिकृत प्लेटफॉर्मों के माध्यम से लोग वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं। इसलिए किसी भी निवेश, बीमा या वित्तीय उत्पाद का चयन करने से पहले उसकी पूरी जानकारी प्राप्त करना और किसी विश्वसनीय, अधिकृत एवं योग्य वित्तीय सलाहकार से परामर्श लेना बेहद आवश्यक है।

कांवड़ यात्रा को लेकर रेलवे स्टेशन हाई अलर्ट पर, संवेदनशील स्थानों पर बढ़ाई गई चौकसी

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। आगामी कांवड़ यात्रा को देखते हुए गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से मजबूत किया जा रहा है। श्रद्धालुओं और आम यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने विशेष सुरक्षा योजना लागू की है। स्टेशन परिसर में आधुनिक सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी रखी जाएगी, जबकि डॉग स्क्वायड और सुरक्षा टीमों द्वारा नियमित रूप से प्लेटफॉर्म, ट्रेनों और स्टेशन परिसर की सघन जांच की जाएगी। रेलवे पुलिस का उद्देश्य कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोकना और यात्रियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। 30 जुलाई से शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। इसके साथ ही सामान्य रेल यात्रियों की भी बड़ी संख्या स्टेशन से आवाजाही करती है। बढ़ती भीड़ को देखते हुए जीआरपी ने सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है। स्टेशन के सभी प्रमुख प्रवेश और निकास द्वारों, प्लेटफॉर्म, फुटओवर ब्रिज, प्रतीक्षालय, टिकट घर तथा अन्य संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। रेलवे गाजियाबाद के पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार सिसोदिया ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान पूरे रेलवे स्टेशन की गतिविधियों पर अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार नजर रखी जाएगी। कंट्रोल रूम से प्रत्येक कैमरे की लाइव मॉनिटरिंग होगी, जिससे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, लावारिस वस्तु या असामान्य गतिविधि की जानकारी मिलते ही सुरक्षा टीम तत्काल मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई कर सके। उन्होंने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए स्टेशन परिसर में खराब पड़े सीसीटीवी कैमरों को भी दुरुस्त कराया जा रहा है, ताकि निगरानी व्यवस्था में किसी प्रकार की बाधा न आए। इसके अलावा डॉग स्क्वायड की टीम नियमित अंतराल पर स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय और ट्रेनों में सघन जांच अभियान चलाएगी। आवश्यकता पडऩे पर बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा इकाइयों का भी सहयोग लिया जाएगा। रेलवे पुलिस ने कांवड़ यात्रा के दौरान यात्रियों और श्रद्धालुओं से भी सतर्क रहने की अपील की है।

गोविंदपुरम के व्यापारियों को मिला मजबूत नेतृत्व, नवनियुक्त पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गोविंदपुरम क्षेत्र के व्यापारियों को एक मजबूत और संगठित नेतृत्व प्रदान करने की दिशा में गोविंदपुरम उद्योग व्यापार मंडल के नए संगठन का गठन किया गया। सोमवार को संगठन के गठन की घोषणा महानगर अध्यक्ष गोपीचंद प्रधान, महानगर महामंत्री अशोक चावला, जिला महामंत्री राजदेव त्यागी तथा युवा महानगर अध्यक्ष विपिन गोयल ने संयुक्त रूप से की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में व्यापारियों ने संगठन के गठन का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के व्यापारिक हितों को नई मजबूती देने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष गोपीचंद प्रधान ने कहा कि उद्योग व्यापार मंडल हमेशा से व्यापारियों के अधिकारों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि बदलते समय में व्यापारियों को संगठित रहना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि एकजुट संगठन ही व्यापारियों की आवाज को प्रभावी ढंग से शासन और प्रशासन तक पहुंचा सकता है। उन्होंने सभी व्यापारियों से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा प्रत्येक व्यापारी को इससे जोडऩे का आह्वान किया। महानगर महामंत्री अशोक चावला ने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान कराना संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा का भव्य स्वागत

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा के पश्चिमी क्षेत्र में प्रथम आगमन पर रविवार को भोजपुर टोल पर भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल हुए। हंस चौधरी के नेतृत्व में सैकड़ों वाहनों का काफिला भोजपुर टोल पहुंचा, जहां प्रदेश अध्यक्ष का पुष्पवर्षा और नारों के बीच स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। भोजपुर टोल पर बड़ी संख्या में मौजूद युवाओं ने प्रदेश अध्यक्ष के समर्थन में नारे लगाए और उनका अभिनंदन किया। आयोजन के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए आवश्यक प्रबंध किए गए। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. रोहित मिश्रा ने कार्यकताओं का अभिवादन स्वीकार करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा युवाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा कार्यकर्ता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं और उनके सहयोग से संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा। स्वागत समारोह का नेतृत्व कर रहे हंस चौधरी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के प्रथम आगमन पर युवाओं का उत्साह अभूतपूर्व रहा। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में जुटे कार्यकर्ता युवा शक्ति की एकजुटता और प्रदेश नेतृत्व के प्रति विश्वास का प्रतीक हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रदेश अध्यक्ष के मार्गदर्शन में युवा मोर्चा संगठन को और अधिक सशक्त करेगा तथा युवाओं से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के स्वागत को लेकर जोरदार तैयारी, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने संभाली कमान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के प्रस्तावित गाजियाबाद दौरे को लेकर संगठन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने अपने कैंप कार्यालय पर बैठक कर स्वागत कार्यक्रम की रणनीति तय की और कार्यकताओं को जिम्मेदारियां सौंपीं।

बैठक में साहिबाबाद विधानसभा के सभी मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता, पार्षद एवं पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई और विभिन्न व्यवस्थाओं का जिम्मा कार्यकताओं को सौंपा गया। निर्णय लिया गया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का स्वागत होटल रेडिसन, यूपी गेट पर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा के नेतृत्व में भव्य रूप से किया जाएगा।

भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कार्यकताओं से बड़ी संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि कार्यकताओं की एकजुटता और सक्रिय भागीदारी ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है।

बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने स्वागत कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

जनसुनवाई में एक्शन मोड में दिखे अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए सख्त निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय एवं अपराध) केशव कुमार चौधरी ने अपने कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान शिकायत लेकर पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं।

उन्होंने प्रत्येक प्रकरण पर संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याएं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के समक्ष रखीं। इस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का नियमानुसार शीघ्र निस्तारण किया जाए तथा शिकायतकताओं को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। पुलिस अधिकारियों ने आमजन की समस्याओं के समाधान को

वेव सिटी पुलिस की बड़ी कार्रवाई: दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना वेव सिटी पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान वाहन चोरी करने वाले दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चार चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की हैं। बरामद वाहनों में दो मोटरसाइकिलों के चोरी के मुकदमे क्रमशः हापुड़ और पूर्वी दिल्ली में दर्ज पाए गए हैं, जबकि अन्य दो मोटरसाइकिलों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अजय उर्फ काला (21 वर्ष) पुत्र राहुल तथा प्रशांत उर्फ लक्की (23 वर्ष) पुत्र विनोद, दोनों निवासी महरौली, थाना वेव सिटी, गाजियाबाद के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को नायफल की ओर जाने वाले मार्ग पर स्विंग पूल जाने वाले रास्ते से लगभग 100 कदम आगे चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया।

उनके कब्जे से चार चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद हुईं। जांच में एक स्प्लेंडर बाइक थाना पिलखुवा (हापुड़) तथा एक अपाचे बाइक थाना पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र (पूर्वी दिल्ली) से चोरी होना पाया गया। थाना वेव सिटी पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ धारा 317(2)/317(5) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस बरामद अन्य दो मोटरसाइकिलों के संबंध में भी जांच कर रही है।

हिंडन नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 4.48 मीटर नीचे, बाढ़ का कोई खतरा नहीं

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। हिंडन नदी में बढ़ते जलस्तर को लेकर फैल रही आशंकाओं के बीच जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में बाढ़ जैसी कोई स्थिति नहीं है और हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) अंजनी कुमार सिंह ने सिंचाई विभाग, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, नगर निगम, जल निगम तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ हिंडन बैराज एवं सिटी फॉरेस्ट क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया गया कि हिंडन नदी एवं सिटी फॉरेस्ट क्षेत्र में जलकुंभी और अन्य अवरोधों को युद्धस्तर पर हटाया जा रहा है, जिससे नदी का जल प्रवाह सुचारु बना हुआ है और जलस्तर लगातार घट रहा है। सिंचाई विभाग के अनुसार, 19 जुलाई को दोपहर 12 बजे हिंडन नदी का डिस्चार्ज 6812 क्यूसेक दर्ज किया गया। हिंडन बैराज के डाउनस्ट्रीम में जलस्तर 200.60 मीटर है, जो खतरे के निशान से 4.48 मीटर नीचे है। प्रशासन ने बताया कि ऊपरी क्षेत्रों में हुई वर्षा के कारण डूब क्षेत्र की कुछ कॉलोनियों में हल्का जलभराव हुआ है, लेकिन बाढ़ जैसी कोई स्थिति नहीं है। वहीं मुजफ्फरनगर और बागपत जैसे अपस्ट्रीम क्षेत्रों में भी जलस्तर में लगातार कमी दर्ज की जा रही है।

संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने करहेड़ा स्थित कंपोजिट विद्यालय में राहत शरणालय तैयार किया है, जहां जरूरत पड़ने पर प्रभावित लोगों के ठहरने, पेयजल, स्वच्छता, मोबाइल शौचालय, चिकित्सा एवं प्राथमिक उपचार जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध रहेंगी।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को 24 घंटे सतर्क रहने और आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही हिंडन नदी के जलस्तर एवं मौसम की लगातार निगरानी की जा रही है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें तथा अफवाहों से बचें।

इलाज में लापरवाही का आरोप: पैर गंवाने वाले ओमवीर को न्याय दिलाने की मांग, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। नवादा निवासी ओमवीर के इलाज में कथित लापरवाही के चलते पैर गंवाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। सोमवार को पीड़ित परिवार करप्शन फ्री इंडिया संगठन के साथ ग्रेटर नोएडा स्थित कलेक्ट्रेट सूरजपुर पहुंचा और मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। ज्ञापन में मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी चिकित्सकों एवं संबंधित जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही पीड़ित ओमवीर को उचित मुआवजा, आर्थिक सहायता तथा परिवार को न्याय दिलाने की भी मांग उठाई गई। करप्शन फ्री इंडिया संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि पीड़ित को जल्द न्याय नहीं मिला और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो संगठन यथार्थ अस्पताल के मुख्य द्वार पर आंदोलन करने के लिए मजबूर होगा। संगठन ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई करने की अपील की। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि इलाज में लापरवाही के कारण ओमवीर को अपना पैर गंवाना पड़ा, जिससे पूरा परिवार आर्थिक और मानसिक संकट से गुजर रहा है। अब परिवार ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है।

'तालाब बचाओ, भूजल बढ़ाओ': मिलक रावली में श्रमदान और पौधारोपण से दिया जल संरक्षण का संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भूजल सप्ताह-2026 के पांचवें दिन मुरादनगर विकास खंड के ग्राम मिलक रावली में पुनर्जीवित तालाब के किनारे श्रमदान एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन भूगर्भ जल विभाग और पूर्वा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जबकि तालाब का जीर्णोद्धार उप्पल चड्ढा हाई टेक डेवलपर्स ग्रुप ने अपनी सीएसआर योजना के तहत कराया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी अभियंता विश्वजीत सिंह मौजूद रहे। नोडल अधिकारी सृष्टि जायसवाल, ग्राम प्रधान चौधरी सेंसरपाल गोयत और पूर्वा फाउंडेशन के संस्थापक रोहित सांगवान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की। इस अवसर पर तालाब के किनारे पौधारोपण किया गया और श्रमदान के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया गया। ग्रामीणों ने तालाब को साफ-सुथरा बनाए रखने तथा जल संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने का विरोध पड़ा भारी, पिता-पुत्र पर हमला

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विजयनगर थाना क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने का विरोध करना एक परिवार को भारी पड़ गया। आरोप है कि शराब पीने से मना करने पर तीन लोगों ने एक व्यक्ति और उसके बेटे के साथ मारपीट कर दी, जिससे दोनों घायल हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस को दी गई शिकायत में सुंदरपुरी स्थित शेर वाला मंदिर के पास रहने वाले सोनू तिवारी ने बताया कि 17 जुलाई को सुंदरपुरी भूड़ गोदाम के निकट भोला शर्मा, ललित शर्मा और शहजाद सार्वजनिक स्थान पर बैठकर शराब पी रहे थे। उनका कहना है कि उन्होंने केवल सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने का विरोध किया और वहां से हटने के लिए कहा, लेकिन इस बात से तीनों आरोपी नाराज हो गए। आरोप है कि विरोध करने पर तीनों ने सोनू तिवारी के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया।

शोर सुनकर उनका बेटा गौरव तिवारी बीच-बचाव करने के लिए मौके पर पहुंचा, लेकिन आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट कर दी। इस दौरान पिता और पुत्र दोनों को चोटें आईं। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस को पूरे मामले की जानकारी देते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। शिकायत के आधार पर विजयनगर थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के संबंध में दोनों पक्षों से जानकारी जुटाई जा रही है।

राजेंद्र नगर में खूनी संघर्ष: युवक पर बरसे लाठी-डंडे, महिलाओं समेत कई हमलावरों का वीडियो वायरल

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। साहिबाबाद थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर स्थित झुग्गी-झोपड़ी रेलवे रोड पर दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। एक पक्ष के 5 से 7 लोगों ने मिलकर एक युवक पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें महिलाएं भी डंडों से हमला करती हुई दिखाई दे रही हैं।

सूचना मिलते ही साहिबाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा।

पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस वायरल वीडियो की जांच कर रही है और उसमें दिखाई दे रहे हमलावरों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हापुड़ चुंगी से ठाकुरद्वारा तक 3.5 किलोमीटर मार्ग होगा आधुनिक और आकर्षक, 90 डिजाइनर लाइट पोल से जगमगाएगा मार्ग

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम शहर को स्वच्छ, व्यवस्थित और आधुनिक स्वरूप देने के साथ-साथ उसके सौंदर्यीकरण पर भी तेजी से कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में हापुड़ चुंगी से कलेक्ट्रेट होते हुए ठाकुरद्वारा तक लगभग साढ़े तीन किलोमीटर लंबे प्रमुख मार्ग को नए स्वरूप में विकसित किया जा रहा है। निर्माण, उद्यान और प्रकाश विभाग की संयुक्त कार्ययोजना के तहत इस मार्ग को न केवल यातायात की दृष्टि से अधिक व्यवस्थित बनाया जा रहा है, बल्कि आधुनिक लाइटिंग, हरित पट्टी और बेहतर आधारभूत संरचना के माध्यम से इसे शहर के सबसे आकर्षक मार्गों में शामिल करने की तैयारी की जा रही है। सोमवार को नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने स्वयं मौके पर पहुंचकर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि नगर निगम शहर के प्रमुख मार्गों को आधुनिक स्वरूप देने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर सौंदर्यीकरण अभियान चला रहा है। हापुड़ चुंगी से कलेक्ट्रेट होते हुए ठाकुरद्वारा तक बनने वाले नए सेंट्रल वर्ज को पहले की तुलना में अधिक मजबूत और आकर्षक बनाया गया है। इसकी ऊंचाई लगभग 90 सेंटीमीटर तथा चौड़ाई एक मीटर रखी गई है, जिससे यातायात व्यवस्था बेहतर होने के साथ-साथ मार्ग की सुंदरता भी बढ़ेगी। उद्यान विभाग द्वारा पूरे साढ़े तीन किलोमीटर लंबे सेंट्रल वर्ज का पुनर्निर्माण कराया जा रहा है। वर्तमान में उसमें मिट्टी भरने का कार्य जारी है और इसके बाद विभिन्न प्रजातियों के सजावटी एवं हरित पौधों का रोपण किया जाएगा। नगर निगम का उद्देश्य इस मार्ग को हरियाली से आच्छादित कर पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ शहर की सुंदरता में भी उल्लेखनीय वृद्धि करना है। प्रकाश विभाग की ओर से पूरे मार्ग पर 90 आधुनिक डिजाइनर लाइट पोल लगाए जा रहे हैं। प्रत्येक पोल की ऊंचाई लगभग छह मीटर रखी गई है। ये पोल केवल बेहतर रोशनी उपलब्ध कराने के लिए ही नहीं, बल्कि शहर को आधुनिक और आकर्षक स्वरूप देने के उद्देश्य से विशेष डिजाइन के साथ तैयार किए गए हैं। इन पोलों पर सुरक्षा की दृष्टि से विशेष डिजाइन कवर भी लगाए गए हैं, जिससे विद्युत सुरक्षा सुनिश्चित होने के साथ करंट लगने की आशंका भी काफी कम रहेगी। नगर आयुक्त ने बताया कि वर्तमान में लगे पुराने पोलों को हटाकर अन्य आवश्यक स्थानों पर उपयोग में लाया जाएगा, जिससे सरकारी संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो सके।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने मुख्य अभियंता (निर्माण) नरेंद्र कुमार चौधरी तथा संबंधित अधिकारियों के साथ कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि हापुड़ चुंगी से ठाकुरद्वारा तक जहां भी खाली स्थान उपलब्ध हैं, वहां एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) में सुधार और धूल नियंत्रण के उद्देश्य से इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने का कार्य भी शीघ्र शुरू किया जाए। इससे सड़क किनारे धूल कम होगी, पैदल यात्रियों को सुविधा मिलेगी और पूरे

कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण बनाने की तैयारी तेज, वेवसिटी एसीपी ने कांवड़ समितियों संग की बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आगामी कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से सहायक पुलिस आयुक्त (वेवसिटी) श्रीमती प्रियाश्री पाल ने थाना वेवसिटी एवं थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र के कांवड़ समिति व्यवस्थापकों तथा क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों के साथ गोष्ठी आयोजित की।

बैठक में एसीपी ने सभी से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए प्रशासन का सहयोग करने, अफवाहों से दूर रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इस दौरान कांवड़ समितियों एवं स्थानीय नागरिकों ने अपनी समस्याएं और सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखे। पुलिस अधिकारियों ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए उनके समयबद्ध निराकरण का आश्वासन दिया तथा यात्रा को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के लिए सभी से सहयोग की अपेक्षा की।